



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ४०]

मई बिल्ली, शनिवार, अक्टूबर ५, १९७४/आस्विन १३, १८९६

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1974/ASVINA 13, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह छलग संकलन के क्षय में रखा जा सके

Separate paging is given to this part in order that it may be filed as a separate compilation

## भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)

## PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं

**Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India  
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities  
(other than the Administrations of Union Territories)**

भारत निर्वाचन आयोग

ELECTION COMMISSION OF INDIA

भारत

ORDER

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1974

New Delhi, the 28th August, 1974

का० आ० २५५५.—यत्, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि  
मार्च, १९७१ को हुए उड़ीमा विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए १३९-अगुल  
निर्वाचित क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री अशोक मिश्र, ग्राम बैलिया-  
बाहान, पो० दुनुरियागा, जिला घेरकानाल, उड़ीमा लोक प्रतिनिधित्व अधि-  
नियम, १९५१ तथा नद्दीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन  
व्यवों का कोई भी लेखा दाखिल वरने में असफल रहे हैं,

और, यत्, उक्त उम्मीदवार द्वारा किये गये अन्यायेवत परिवार करने  
के पश्चात्, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास  
इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीकालीन नहीं है,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा १०-के ग्रन्तमण्ड में निर्वाचन  
आयोग एवं द्वारा उक्त श्री अशोक मिश्र को सदर के किसी भी सदन के  
या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य न्हीं जाने  
प्रीत होने के लिए, इस आदेश की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के  
लिए, निरर्दृत घोषित करता है।

**S.O. 2555.**—Whereas the Election Commission is satisfied  
that Shri Asoka Misra, Village-Baniabahal, P.O. Hulirisinga,  
district Dhenkanal (Orissa), a contesting candidate for gene-  
ral election to the Orissa Legislative Assembly from 139-  
Augul constituency, held in March, 1971 has failed to lodge  
an account of his election expenses as required by the  
Representation of the People Act, 1951, and the Rules made  
thereunder;

And whereas, after considering the representation made  
by the said candidate, the Election Commission is further  
satisfied that he has no good reason or justification for such  
failure:

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said  
Act, the Election Commission hereby declares the said Shri  
Asoka Misra to be disqualified for being chosen as, and  
for being a member of either House of Parliament  
or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a  
State for a period of three years from the date of this  
order.

[मा० उडी०-वि० मा०/१३९/७१]

[No. OR-LA/139/71]

नई दिल्ली, 30 अगस्त, 1974

**का० आ० 2556.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1971 को हुए उडीसा विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 140-प्राथ-मल्लक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री प्रशोक मिश्र प्राम बेनिबाहाल, पो० हुलुरिसिंग, जिला बेनकानाल, उडीसा लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं ;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार द्वारा विद्ये गये प्रधानावेदन पर विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालित नहीं है ;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री प्रशोक मिश्र को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचन घोषित करता है।

[सं० उडी०-वि० स०/140/71]

New Delhi, the 30th August, 1974

**S.O. 2556.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Asoka Misra, Village-Baniabhal, P.O. Hulurising, district Dhenkanal, Orissa, a contesting candidate for general election to the Orissa Legislative Assembly from 140-Athmallik constituency, held in March, 1971 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, after considering the representation made by the said candidate, the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure :

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Asoka Misra to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. OR-LA/140/71]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1974

**का०आ० 2557.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 133-कटिहार निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सुवामा शरणसिंह गोपला कटिहार, जिला पूर्णिया, बिहार लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं ;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालित नहीं हैं ;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सुवामा शरण सिंह को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचन घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/133/72(96)]

New Delhi, 3rd September, 1974

**S.O. 2557.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Sudama Sharan Singh, Goushala, Katihar, District Purnea who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 133-Katihar constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Sudama Sharan Singh to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/133/72(96)]

**का० आ० 2558.**—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के लिए निर्वाचन के लिए 133-कटिहार निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री उत्तम लाल शर्मा, प्राम मुहम्मद-पुर, पो० दुर्गांज, जिला पूर्णिया, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा वाचिल करने में असफल रहे हैं ;

श्रीर, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायालित नहीं है ;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-क के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री उत्तम लाल शर्मा को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वाचन घोषित करता है।

[सं० बिहार-वि० स०/133/72(95)]

**S.O. 2558.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Uttam Lal Sharma, Village Mohammadpur, P.O. Durgaganj, District Purnea who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 133-Katihar constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Uttam Lal Sharma to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/133/72(95)]

नई दिल्ली, 4 मित्रम्बर, 1974

**का०ग्रा० 2559.**—यत्, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 143-पाकुड़ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार म० महसिन, मानिकपाठा, गगनपहाड़ी, पाकुड़, मन्थाल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ओर, यत्, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है,

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन प्रायोग एन्ट्रद्वारा उक्त म० महसिन को संमद के किसी भी मत्रन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के मदत्य सुने जाने और होने के लिए इस आदेश की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[म० बिहार- वि० स०/143/72(100)]

New Delhi, the 4th September, 1974

**S.O. 2559.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Md. Mahasin, Manikapara, Gaganpahari, Pakur, Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 143-Pakaur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Md. Mahasin to be disqualified for being chosen as, and/or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/143/72(100)]

नई दिल्ली, 5 मित्रम्बर, 1974

**का०ग्रा० 2560.**—यत्, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 में हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 144-महेश्पुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कालेश्वर हेमश्रम, ग्राम जरीड़ाह, पत्तालय गाड़ो, जिला मन्थाल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ओर, यत्: उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है ;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन प्रायोग एन्ट्रद्वारा उक्त श्री कालेश्वर हेमश्रम को संमद के किसी भी मदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य सुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० बिहार-वि० स०/144/72(101)]

New Delhi, the 5th September, 1974

**S.O. 2560.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kaleshwar Hembram, Village Jaradih, P.O. Gando District Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 144-Maheshpur constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder ;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure ;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kaleshwar Hembram to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/144/72(101)]

**का०ग्रा० 2561.**—यत्, निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि मार्च, 1972 को हुए बिहार विधान सभा के निर्वाचन के लिए 145-माला मन्थाल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री गिरीधारी पुरमु, पाम प्रगणा सरसुंदी, पो० वेराबनी मन्थाल परगना, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 तथा तद्वीन बनाए गए नियमों द्वारा घोषित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं ;

ओर, यत्: उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन प्रायोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है ;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अनुमरण में निर्वाचन प्रायोग एन्ट्रद्वारा उक्त श्री गिरीधारी पुरमु को संमद के किसी भी मदत के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य सुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[स० बिहार-वि० स०/146/72(105)]

ए० एन० सैन, सचिव

**S.O. 2561.**—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Giridhari Marmu, Village Agya Sarmundi, P.O. Kairabani, Santhal Parganas who was a contesting candidate for election to the Bihar Legislative Assembly from 146-Nala constituency held in March, 1972 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas, the said candidate even after the due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Giridhari Marmu to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. BR-LA/146/72(105)]

A. N. SEN, Secy.

नई विल्नी, 19 सितम्बर, 1974

**का० आ० 2562.**—प्रोक्त प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निर्वाचित आयोग दादरा तथा नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन के परामर्श से, श्री अतिथि खोपड़ा, कलपटर, दादरा तथा नागर हवेली को तारीख 6 जुलाई, 1974 के अपराह्न से श्री जगदीप सागर के स्थान पर दादरा तथा नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र के लिए मुख्य निर्वाचित अधिकारी के रूप में एनदब्बारा नाम निर्देशित करता है।

[मा० 154/दा० न० ह०/74/55676]

सी० नागसुभ्रमण्णन, मंत्रिय

New Delhi, the 19th September, 1974

**S.O. 2562.**—In exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the people Act, 1950, the Election Commission in consultation with the Administration of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli, hereby nominates Shri Anil Chopra, Collector, Dadra and Nagar Haveli, as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli with effect from the afternoon of the 6th July, 1974 vice Shri Jagdish Sagar.

[No. 154/DNH/74/55676]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई विल्नी, 20 सप्टेम्बर, 1974

(आय-कर)

**का० आ० 2563.**—आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80 छ की उपधारा (2) (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, श्री पार्थसारथी स्वामी देवस्थानम, जिल्हाकांगे, मद्रास को उक्त

धारा के प्रयोजनों के लिए मद्रास राज्य में सर्वेत्र विभाग लोक-पूजा का स्थान प्रधिसूचित करती है।

[स० 707 (फा० स० 176/38/71-आई टी (ग आई)]

सी० बी० श्रीनिवासन, अवर मंत्री

## MINISTRY OF FINANCE

(De tt. of Revenue & Insurance)

New Delhi, the 20th August, 1974

(Income-Tax)

**S.O. 2563.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Sri Parthasarathyswamy Devasthanam, Triplicane, Madras to be a place of public worship of renown throughout the State of Madras for the purposes of the said section.

[No. 707 (F. No. 176/38/74-IT(AI))

V. B. SRINIVASAN, Under Secy.

नई विल्नी, 6 सितम्बर, 1974

**का० आ० 2564.**—प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के अप्प (44) के उप अप्प (III) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार सर्वेत्रीय आर० डी० पुरी और आई० सी० गुप्ता को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रिका अधिकारी हैं, उक्त प्रधिनियम के प्रधान कर वसूली अधिकारियों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 प्रधिसूचना स० 14 (फा० स० 16/101/69-आई टी सी सी), तारीख 27 मई, 1969 और प्रधिसूचना स० 154 (फा० स० 404/35/71-आई टी सी सी), तारीख 18 मई, 1971 के अधीन कर वसूली अधिकारियों के रूप में की गई कमश. सर्वेत्रीय आर० डी० जावा और मन्त्र वेक की नियुक्तियाँ यह की जाती हैं।

3 यह प्रधिसूचना उम आरीख को प्रवृत्त होगी जिस तारीख को मर्वेत्रीय आर० डी० पुरी और आई० सी० गुप्ता, कर वसूली अधिकारियों के रूप में कार्य-भार यहण करते हैं।

[स० 711 (फा० स० 404/221/74-आई टी सी सी)]

New Delhi, the 6th September, 1974

**S.O. 2564.**—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises S/Shri R. D. Puri and I. C. Gupta, who are Gazetted Officers of the Central Government to exercise the powers of Tax Recovery Officers under the said Act.

2. The appointments of S/Shri R. S. Jawa and Satya Dev as Tax Recovery Officers made under Notification No. 44 (F. No. 16/104/69-ITCC) dated the 27th May, 1969 and Notification No. 154 (F. No. 404/35/71-ITCC) dated the 18th May, 1971 respectively are hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date S/Shri R. D. Puri and J. C. Gupta take over charge as Tax Recovery Officers.

[No. 711 (F. No. 404/221/74-ITCC)]

**का० आ० 2565.—ग्राम्यकर्ता अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (III) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार श्री छलार मिह को, जो केन्द्रीय सरकार के राज्यपाल अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।**

2. अधिसूचना स० 674 (फा० स० 404/15/74—ग्राम्य दी सी सी), तारीख 10 जूलाई, 1974 के प्रधीन, कर बसूली अधिकारी के रूप में की गई श्री जे० के० गोप्ता की नियुक्ति रद्द की जाती है।

3. यह अधिसूचना उम्म तारीख थो प्रवृत्त होनी जिस तारीख को श्री छलार सिल कर बसूली अधिकारी के रूप में कावे भार चहण करते हैं।

[मे० 713 (फा० स० 404/241/74—ग्राम्य दी सी सी)]

टी० आर० अग्रवाल, उप सचिव

**S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Chhattar Singh who is a Gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.**

2. The appointment of Shri J. K. Goyal as Tax Recovery Officer made under Notification No. 674 (F. No. 404/15/74-ITCC) dated 10th July, 1974 is hereby cancelled.

3. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Chhattar Singh takes over as Tax Recovery Officer.

[No. 713 (F. No. 404/241/74-ITCC)]

T. R. AGGARWAL, Dy. Secy.

#### रिजर्व बैंक भाफ इंडिया

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1974

**का० आ० 2566.—रिजर्व बैंक भाफ इंडिया अधिनियम, 1974 के अनुसरण में सितम्बर 1974, की 13 तारीख को समाप्त हुए संसाह के लिए सेवा (इण्डू विभाग)**

देयताएँ	रुपये	रुपये	प्राप्तियाँ	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	47,64,09,000		मोने का सिक्का और बुलियन :—		
			(क) भारत में रखा हुआ	1,82,53,05,000	
			(ख) भारत के बाहर रखा हुआ		..
सचेतन में नोट	6084,52,87,000		विदेशी प्रतिभूतियाँ	1,41,73,97,000	
जारी किये गये हुए नोट	6132,16,96,000		जोड़ रुपये का सिक्का	3,24,27,02,000	
			भारत सरकार की रुपया प्रति भूतियाँ	16,66,06,000	
			बैशी विनियम बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र	5791,23,86,000	
कुल देयताएँ	6132,16,96,000		कुल भान्तियाँ	6132,16,96,000	

13 सितम्बर, 1974, को रिजर्व बैंक भाफ़ इडिया के बैंकिंग विभाग के कार्रकलाप का विवरण

देयताएँ	रुपये	प्रासिद्धी	रुपये
चुक्ता पृजी	5,00,00,000	नोट	47,64,09,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	3,28,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	3,64,000
(दीर्घकालीन प्रबर्तन) निधि	284,00,00,000	खरीदे और भुताये गये बिल	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	177,37,79,000
(स्थिरीकरण निधि)	95,00,00,000	(ख) विदेशी	.
राष्ट्रीय शौधागिक ऋण		(ग) मरकारी खजाना बिल	620,56,09,000
(दीर्घकालीन प्रबर्तन) निधि	265,00,00,000	विदेशी में रखा हुआ बकाया*	507,70,24,000
जमाराशियाँ --		निवेश**	177,07,53,000
(क) सरकारी		ऋण और अप्रिम --	
(i) केन्द्रीय सरकार	57,14,09,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	.
(ii) राज्य सरकारें	12,27,11,000	(ii) राज्य सरकारों को (a)	76,93,72,000
(ग) बैंक		ऋण और अप्रिम --	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	532,06,32,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	64,84,00,000
(ii) अनुसूचित राज्य		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को‡	2,29,07,98,000
सहकारी बैंक	15,18,94,000	(iii) दूसरों को	21,68,60,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य		राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबर्तन) निधि से	
सहकारी बैंक	1,40,60,000	ऋण, अप्रिम और निवेश	
(iv) अन्य बैंक	64,14,000	(क) ऋण और अप्रिम --	
		(i) राज्य सरकारों को	67,86,75,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों का	15,04,08,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिक्षक बैंकों को	.
		(iv) कृषि पुनर्वित निगम को	64,00,00,000
(ग) अन्य	373,36,61,000	(ख) केन्द्रीय भूमिक्षक बैंकों के डिवेचरों में निवेश	11,07,48,000
देय बिल	98,63,90,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबर्तन) निधि से ऋण और अप्रिम	48,03,91,000
अन्य देयताएँ	536,29,54,000	राष्ट्रीय शौधागिक ऋण (शोधकालीन प्रबर्तन) निधि में	
		ऋण, अप्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अप्रिम	195,37,93,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये वाहो/डिबर्चरों में निवेश	.
		अन्य प्राप्तियाँ	101,64,14,000
रुपये	2426,01,25,000	रुपये	2426,01,25,000

\*नकदी, आवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियाँ शामिल हैं।

\*\*राष्ट्रीय कृषि ऋण (शोधकालीन प्रबर्तन) निधि और राष्ट्रीय शौधागिक ऋण (दीर्घकालीन प्रबर्तन) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन प्रबर्तन) निधि में प्रदत्त ऋण और अप्रिम शामिल नहीं है, परन्तु राज्य सरकारों का दिये गये आस्तायी आवारडाफ्ट शामिल है।

+रिजर्व बैंक भाफ़ इडिया अधिनियम की धारा 17 (4) (ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को सीयादी बिलों पर अप्रिम दिये गये 12,96,00,000 रुपये शामिल है।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (शोधकालीन प्रबर्तन) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि में प्रदत्त ऋण और अप्रिम शामिल नहीं है।

एस० जगन्नाथन, गवर्नर

तारीख 18 सितम्बर, 1974

[स० फ० 10 (1)/74-बी०ओ०-१]

च० व० मीरचन्द्रानी, अवार सचिव

## RESERVE BANK OF INDIA

New Delhi the 20th September, 1974.

S.O. 2566.—An Account pursuant to the RESERVE BANK OF INDIA ACT, 1934, for the week ended the 13th day of September, 1974  
(Issue Department)

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	47,64,09,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	6084,52,87,000		(a) Held in India	182,53,05,000	
Total Notes issued		6132,16,96,000	(b) Held outside India		
			Foreign Securities	141,73,97,000	
			Total	324,27,02,000	
			Rupee Coin	16,66,06,000	
			Government of India		
			Rupee Securities	5791,23,88,000	
			Internal Bills of Exchange and other Commercial paper		
Total Liabilities		6132,16,96,000	Total Assets		6132,16,96,000

S. JAGANNATHAN, Governor.

Dated the 18th day of September, 1974.

## Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 13th September, 1974

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	47,64,09,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	3,28,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	284,00,00,000	Small Coin	3,64,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	95,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :—	
National Industrial Credit (Long Term Operations)	265,00,00,000	(a) Internal	177,37,79,000
Deposits :—		(b) External	
(a) Government		(c) Government Treasury Bills	620,56,09,000
(i) Central Government	57,14,09,000	Balances Held Abroad*	507,70,24,000
(ii) State Governments	12,27,11,000	Investments**	177,07,53,000
(b) Banks		Loans and Advances to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	532,06,32,000	(i) Central Government	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,18,94,000	(ii) State Governments@	76,93,72,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	1,40,60,000	Loans and Advances to :—	
(iv) Other Banks	64,14,000	(i) Scheduled Commercial Banks†	64,84,00,000
(c) Others	373,36,61,000	(ii) State Co-operative Banks‡	229,07,98,000
Bills Payable	98,63,90,000	(iii) Others	21,68,60,000
Other Liabilities	536,29,54,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to :—	
		(i) State Governments	67,86,75,000
		(ii) State Co-operative Banks	15,04,08,000
		(iii) Central Land Mortgage Banks	
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	64,00,00,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	48,03,91,000
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	195,37,93,000
		Other Assets	101,64,14,000
Rupees	2426,01,25,000	Rupees	2426,01,25,000

\* Includes Cash, Fixed Deposit and Short-term Securities.

\*\* Excluding Investment from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 12,96,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India, Act.

‡Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

S. JAGANNATHAN, Governor.

Dated the 18th day of September, 1974.

[No. F. 10 (1)/74-BG-T]  
C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय  
(विनियित उत्पादन)

बाढ़ीदा, 23 प्रगस्त, 1974

का० आ० 2567.— केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के प्रधीन मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियमावली 1944 के नियम 96-जेड-ओ, 96 जेड-क्यू और 96 जेड-एस के प्रधीन नियमावलीय अधिकारियों को एतद्वारा गतिया प्रत्यायोजित करता हूँ।

अनु० समाहर्ता की प्रदत्त सं० शक्तियों का प्रकार

नियम स० ममाहर्ता की शक्तियों कि समाहर्ता की शक्तियों को प्रत्यायोजित

1. पूर्ण काल या अध्य काल के लिए प्रयोग प्रतिया और के लिए प्रयोग आवेदन पत्र स्वीकार करना

96-जेड-ओ (1) प्रधीक्षक

96-जेड-ओ (2)

2. (क) प्रपत्र ए० एस० पी० मे० नवीकरण आवेदन स्वीकार करना

96-जेड-ओ (4) प्रधीक्षक

(ख) नवीकरण के लिए ए० एस० पी० प्रस्तुत करने मे० विलम्ब को माफ करना

यथोक्त

प्रधीक्षक  
(i) विलम्ब 15 दिनों से अधिक न हो  
(ii) 15 दिनों से अधिक विलम्ब माफ करने के लिए सहायक समाहर्ता

3. प्रपत्र ए० आर० 11 मे० निकासी के लिए विलम्ब माफ करना और मासिक नियमेप करने मे० हुआ विलम्ब माफ करना

96-जेड-क्यू (2) (i) प्रधीक्षक प्रत्येक मामलों मे० विलम्ब 5 दिनों से भवित न हो  
(ii) सहायक समाहर्ता यदि उपर्युक्त (i) की सीमा से विलम्ब अधिक हो।

2. समाहर्तानिय की विंडू अधिसूचना म० 5-71 दिनांक 16-8-1971 रद्द समझा जाय।

[अधि० स० 2-74-स० V. 19 (8) 1-74/वि० उ०

साक्षात्कार

ना०ग० पाटिंग, प्रधीक्षक (तकनीकी) न० ब० संजाना, समाहर्ता

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

(Manufactured Products)

Baroda, the 23rd August, 1974

S. O. 2567.— In exercise of the powers conferred upon me under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby delegate the powers under rules 96-ZO, 96-ZQ and 96-ZS of the Central Excise Rules, 1944 to the officers mentioned below :

Sr. No.	Nature of powers conferred on Collector.	Rule No. 96-ZO(1) & 96-ZO(2)	Collector's powers delegated to
1	2	3	4
1.	To accept first application for the Special procedure for a full period or for a shorter period.	96-ZO(4)	Superintendent
2.	(a) To accept renewal application in form ASP (b) To condone delay in submission of ASP	96-ZQ(2)	(i) Superintendent for condoning delays not exceeding 15 days. (ii) Assistant Collector for condoning delays exceeding 15 days.
3.	To condone delay in submission of application for removal in form A.R. 11 and to condone delays in making monthly deposits.	96-ZQ(2)	(i) Superintendent for condoning delays not exceeding 5 days in each case. (ii) Assistant Collector if the delay exceeds the limits under (i) above.

2. Collectorate M.P. Notification No. 5/71 dated 16-8-1971 may be treated as cancelled.

Sd/-

Attested [Notification No. 2-74 No. V 19 (8) 1/74/MP]

Sd/-

N.B. SANJANA, Collector.

N. G. PATIL, Superintendent (Tech.)

बगलौर, 21 मिनम्बर, 1974

(सीमा शुल्क)

का० आ० 2568.— 1962 के सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 8(ख) के प्रधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मे० आर० बी० सिन्हा, समाहर्ता, सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिकारिया बगलौर तथा कनटिक राज्य, एतद्वारा, नवे मंगलोर के बड़े बन्दरगाह जो कि नवे मंगलोर के पास ऐसे स्थान पर स्थानस्थित है जिसका स्थानीय नाम पनम्बूर है, के सीमा शुल्क क्षेत्र की परिसीमा विस्तृत करता हूँ जैसाकि नीचे बताया गया है।

उत्तर में—इसकी सीमा रेखा ठीक पूर्व में प्रकाश रेखा से  $13^{\circ} 00' 12-6''$  उत्तर तथा प्रकाश  $13^{\circ} 00' 12-6''$  उत्तर से  $74^{\circ} 43' 06''$  देशान्तर पूर्व से स्थित है। देशान्तर रेखा से  $74^{\circ} 47' 26''$  पूर्व।

पूर्व में—इस स्थान से समुद्री टट पर इस सीमा रेखा की समाझ 45.72 मीटर है। इसका विस्तार जल की अधिकतम सीमा से हांतर इस्टेट के उत्तरी अधिग्रहण सीमान्त स्तंभों तक है यह देशान्तर रेखा से  $74^{\circ} 48' 20-5''$  पूर्व तथा प्रकाश से  $12^{\circ} 56' 10''$  उत्तर से है।

(ख) उस स्थान से इसका विस्तार रेखे मार्गित याँके पश्चात्ती सीमान्त से उत्तरी पलड़ बैंक एवं रोड तक है।

(ग) उस स्थान से यह बेन्ड उत्तर पलड़ बैंक एवं रोड के दक्षिणी किनारे तक फैला हुआ है। यहाँ पर यह सीमा रेखा न्यू बैंस कोस्ट रोड के पश्चात्ती किनारे से आकर मिलती है।

- (a) उस स्थान से इसका क्षेत्र रेखे मार्गितिंग याई के पूर्वी सीमान्त से लेकर समुद्री टट से आने वाली मड़क के दक्षिणी किनारे तथा न्यू बैंस्ट कोस्ट रोड के पश्चिमी किनारे तक फैला हुआ है।
- (b) यहाँ से इस क्षेत्र का विस्तार न्यू बैंस्ट कोस्ट रोड के पश्चिमी किनारे से लेकर रिवर बैंक रोड के उत्तरी किनारे तक है।
- (c) उस स्थान से इसका फैलाव रिवर बैंक रोड के उत्तरी किनारे से लेकर समुद्री टट तक है;
- (d) इस स्थान से समुद्री टट पर इस सीमा रेखा की लम्बाई 45.72 मीटर है जिसका विस्तार जल की अधिकतम सीमा से लेकर अक्षांश रेखा से  $12^{\circ} 53' 37.3''$  उत्तर तथा  $74^{\circ} 48' 54.6''$  पूर्व तक है।

दक्षिण में—इस स्थान से सीमा रेखा ठीक पश्चिम में, अक्षांश रेखा से  $12^{\circ} 53' 37.3''$  उत्तर, तथा उत्तर देशान्तर रेखा से  $74^{\circ} 44' 23''$  पूर्व में स्थित है यह अक्षांश रेखा के  $12^{\circ} 53' 37.3''$  उत्तर तथा देशान्तर रेखाओं के  $74^{\circ} 44' 23''$  पूर्व में है।

पश्चिम में—यह सीमा रेखा  $12^{\circ} 53' 37.3''$  अक्षांश तथा उत्तर देशान्तर रेखा से  $74^{\circ} 44' 23''$  पूर्व पर मिलती है जो कि अक्षांश रेखा से  $13^{\circ} 00' 12.6''$  उत्तर देशान्तर  $74^{\circ} 43' 06''$  पूर्व में है।

उपर बतायी गई परिसीमा के अन्तर्गत समुद्री टट या किनारे जिसकी जल की अधिकतम सीमा का विस्तार 45.72 मीटर है, के अन्दर प्राप्त वाला प्रत्येक स्थान सभी प्रकार के घाट तथा भवन व इनके पहुँच मार्ग, जो कि यातायात की सुविधा, जहाजों की सुरक्षा अन्वरणाह के सरकारी माल के अनुरक्षण, वह सुधार के लिए जनता के निमित्त बनाए गये हैं, जाहे व जल की प्रविक्तम सीमा के अन्दर हैं प्रथम बाहर और आठे व निजी सम्पत्ति अधिकार के अधीन हों, शामिल किए जायेंगे।

[अधिनं सं 2-74-सी० सं-8/48/200/73/परक-22-8]

Bangalore, the 21st September, 1974

(Customs)

**S.O. 2568.**—In exercise of the powers conferred upon me under section 8(b) of the Customs Act, 1962, I, R. B. Sinha Collector of Customs and Central Excise, Bangalore having jurisdiction over the State of Karnataka, hereby specify the limits of Customs area of the Major port of New Mangalore (Situated in a place locally called as Panambur near Mangalore) as stated below:—

On the north:—A line due East from a position in latitude  $13^{\circ} 00' 12.6''$  North, longitude  $74^{\circ} 43' 06''$  East to a position in latitude  $13^{\circ} 00' 12.6''$  North, Longitude  $74^{\circ} 47' 26.1''$  East.

On the East:—Thence along a line 45.72 Metres on the short from the high water mark upto the Northern acquisition boundary pillar of the harbour estate in position, Latitude  $12^{\circ} 56' 10''$  North Longitude  $74^{\circ} 48' 20.5''$  East;

(b) Thence along the Western boundary of the railway Marshalling Yard to the Northern flood bank-cum-Road.

(c) Thence along the Southern edge of the northern flood bank-cum-Road to where it meets the Western edge of the New West Coast Road.

- (d) Thence along the Eastern Boundary of the Railway Marshalling yard upto the Southern edge of the Road leading from the beach and on to the Western edge of the new West Coast Road.
- (e) thence along the Western edge of the New West Coast Road to the Northern edge of the River Bank Road.
- (f) Thence along the Northern edge of the River Bank Road to the Shore.
- (g) Thence along a line 45.72 metres on the shore from high water mark upto a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North, longitude  $74^{\circ} 48' 54.6''$  East.

On the South:—thence along a line due West from a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North longitude  $74^{\circ} 48' 54.6''$  East to a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North longitude  $74^{\circ} 44' 23''$  East.

On the West:—Line joining a position in latitude  $12^{\circ} 53' 37.3''$  North longitude  $74^{\circ} 44' 23''$  East to a position in latitude  $13^{\circ} 00' 12.6''$  North, longitude  $74^{\circ} 43' 06''$  East.

The abovementioned limits shall include all wharves and other works made on behalf of the public for convenience of traffic, for safety of vessels, or for the improvement, maintenance of goods government of the port and its approaches, whether within or without high water mark and subject to any rights of private property therein, any position of the shore or bank within 45.72 Metres of High water Mark.

[Notification No. C. No. VIII/48/200/73/Prak/22-8]

का० घा० 2569.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की घारा 8 (ए) के अन्तर्गत प्रवास शक्तियों का प्रयोग करो हुए मैं, घा० घा० सिन्हा समाहर्ता सीमा तथा केन्द्रीय उत्ताव शुल्क, बंगलौर, एन्दूद्वारा कर्ताक राज्य के नये मालावौर के बड़े बन्दरगाह के मध्यमें अनुबन्ध में वर्णित स्थानों को माल यादने और उतारने के लिए अनुमोदित करता हूँ।

#### अनुबन्ध

बन्दरगाह का नाम	घाट की स्वामी का नाम	घाट की परिसीमां, म०	निजी सरकारी सीमात्मक पूर्व विवरण के साथ	
1	2	3	4	5

नय मगलौर का बडा	1	—	सरकारी लम्बाई 594 मीटर
बन्दरगाह	2	—	„
	3	—	„
	4	—	„ 105 मीटर

माल उतारने के स्थान	घाट का माप, लम्बाई	संबंधित माल का विवरण
का विवरण	तथा चौड़ाई महित	
6	7	8

प्रायात्मक माल का	—	सभी प्रायात्मक के माल
निर्यात माल	—	कच्चे लोहे और मैताजी का निर्यात
प्रायात	—	कच्ची सामग्री तथा अन्य माल का प्रायात
निर्यात माल	—	समस्त निर्यात माल

[अधिनं सं 1/74-परिनं सं 8/48/200/73]

घा० घा० सिन्हा, समाहर्ता

**S. O. 2569.**—In exercise of the powers conferred upon me under section 8(a) of the Customs Act, 1962, I, R.B. Sinha, Collector of Customs and Central Excise, Bangalore hereby approve the places for unloading and loading of goods as detailed in the annexure in respect of the Major port of New Mangalore port in the State of Karnataka.

Annexure to Notification No. 1/74 dated 21st September, 1974

Name of the port	No. of the the wharf.	Name of the owners	Limits of the wharf including full details of boundaries.	Details of the land- ing place	Measurement of the wharf in length and breadth.	Particulars of goods deal with.	
1	2	3	4	5	6	7	8
Major Port of New Mangalore.	1	— Govt.	594 metres in length	landing of import goods	—	All import goods.	
	2	— "		Export goods	—	Export of Iron & Manganese Ore	
	3	— "		Import goods	—	Import of raw Ma- terials and other import goods	
	4	— "	105 Metres	Export goods.	—	All export goods.	

[Notification No. 1/74 C. No. VIII/8/200/73]

R. B. SINHA, Collector.

प्राणिज्य भवानीय

(भूमुखिक मुख्य नियंत्रक, भारात-नियांति का कार्यालय)

आदेश

मद्रास, 1 अक्टूबर, 1973

MINISTRY OF COMMERCE

Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports

ORDERS

Madras, the 1st October, 1973

**S.O. 2570.**—सर्वेषी पैनकोरनर, 82, टाउन हाल रोड, मदुराई -1 को भारात नीति के अनुसार “एक्रिलिक प्लास्टिक शीटों की सीपवन किम्ब” के भारात के लिए प्रत्रैल-भार्च, 1972 प्रवधि के लिए 4180 रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं००१०एस/1780497/शी०/एस्स ए४४/४२/ग्र०/३३-३४ दिनांक 30.3.72 जारी किया गया था। कर्म से लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए केवल इस भारात पर आदेश किया है कि किसी भूल लाइसेंस विलक्षण भी उपयोग किए बिना छो गया। अस्थानस्थ हो गया है। अपने तर्क के समर्थन में उम्होने एक शपथपत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि मूल लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति छो गई है या अस्थानस्थ हो गई है और उसकी अनुलिपि कर्म की जारी की जाए।

विवरणीय लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

[संख्या : प्लास्टिक/491/ए० एम०-७२/एस० एम० २]

एम०एफ०भार० विजयी, उप-मुख्य नियंत्रक

**S.O. 2570.**—M/s. Pen Corner, 82, Town Hall Road, Madurai-I, were issued a licence bearing No. P/S/1780497/C/XX/42/M/33-34 dt. 30-3-72 for Rs. 4180/- for April, March, 1972 period for import of “Pearlasant Variety of Acrylic Plastic Sheets” as per Policy. The firm have applied for issue of a duplicate copy of the Exchange Control Copy of the licence only on the ground that the original licence has been lost/misplaced without having been utilised at all. In support of their contention they have filed an affidavit.

I am satisfied that the Exchange Control Copy of the original licence has been lost or misplaced and a duplicate of the same may be issued to the firm.

The original Exchange Control Copy of the licence in question is hereby cancelled.

[F. No. Plastic/491/AM-72/S.S. II]

M. F. R. BIJLI, Dy. Chief Controller

\* बर्थर्ड, 14 मार्च, 1974

(फेन्दीय लाइसेंस भेज)

**S.O. 2571.**—सर्वश्री शान्तिमाल छगन नाल एंड क०, 397 शेख मेमन स्ट्रीट, बम्बई-२ को अप्रैल-मार्च १९७२ की नीति पुस्तक के प्रतुसार गेराज भौजारों के आयात के लिए १४९७ रु (एक हजार चार सौ सतानवे रुपये मात्र) का लाइसेंस सं० पी/ई/०२०५०३३ विनांक २३-११-७१ स्वीकृति किया गया था।

उन्होंने उक्त लाइसेंस की प्रतुलिपि प्रति (केवल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति) के लिए इम आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

आगे यह बताया गया है कि लाइसेंस की उक्त मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति का पूरी धन राशि के लिए साख पत्र खोलने के लिए उपयोग किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि लाइसेंस सं० ०२०५०३३ विनांक २३-११-७१ की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है और निदेश देता है कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की प्रतुलिपि मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति जारी की जानी चाहिए।

लाइसेंस की मूल विनियम नियंत्रण प्रति रह की जाती है।

[फा सं० १७८२/२७५ बी० ४/५८८९५२/ए.ए.म-७२/ई आर्ड-२]

बी० के० खोसला,  
उप-मुख्य नियंत्रक,  
हते मुख्य नियंत्रक

Bombay, the 14th March, 1974

**S.O. 2571.—M/s. Shantilal Chhaganlal & Co., 397 Sheikh Memon Street, Bombay-2 has been granted Licence No. P/E/0205033 dated 23/11/71 for Rs. 1497/- (Rs. One thousand four hundred Ninety Seven only) for import of Garage Tools as per AM. 72 Policy Book.**

They have applied for duplicate copy of the said licence (Exchange purpose only) on the ground that the original Exchange control copy has been lost/misplaced.

It is further stated that the said original Exchange Control purpose copy of the licence has been utilised for opening L/C for the full amount.

In support of their claim, applicant has filed an affidavit.

I am satisfied that the Exchange Control purpose copy of the Licence No. 0205033 dated 23/11/71 has been lost/misplaced and direct that the duplicate of the said Exchange control copy of the licence should be issued to the applicant firm.

The original Exchange Control purpose copy of the licence is cancelled.

[F. No. 1782/275-B-IV/588952/Am. 72/EI-II]

D. K. KHOSLA, Dy. Chief Controller.  
for Chief Controller.

आदित्य

नई विल्सी १९ जुलाई, १९७४

**S.O. 2572.**—सर्वश्री इंडियन इंस्टिट्यूशन कारपोरेशन, बस्टी गुजारा, जलन्धर नगर को आर०ई०बी० श्रेणी के प्रत्यर्गत सामान्य मुद्रा भेज से कार्बन की ०.३% से अधिक मात्रा के साथ छलों, घटभूजाकार समतल पटों और बगाकार टुकड़ों में कार्बन इस्पात के लिए १००००० रुपये मूल्य का लाइसेंस सं० पी०/एल०/२६६१२२०/२/विनांक २५-७-७३ प्रदान किया गया था।

उन्होंने लाइसेंस की दोनों प्रतियों को इस आधार पर समर्पित किया है कि वे उन का उपयोग करने के इच्छुक नहीं हैं। इस लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति बिल्कुल भी उपयोग किए बिना जो गई/प्रस्थानस्थ हो गई बताई गई है।

उपर्युक्त कथन के समर्थन में आवेदक ने आयात आधार नियंत्रण, नियम तथा क्रियाविधि हैंडबुक १९७४-७५ के पैरा ३२० के प्रत्यर्गत यथाअपेक्षित एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति जो गई/प्रस्थानस्थ हो गई है।

आयात नियंत्रण आदेश, १९५५ विनांक ७-१२-१९५५ के अंड ९ (सी सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं लाइसेंस की उक्त मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति को रह करते का आवेदन देता हूँ।

[राष्ट्रपा इम्प्रेस्ट लाइसेंस ५६ ए.ए.म-७३ एस सी-६/सी एस ए /६०१]

ए०टी० मुख्यर्जी, उप-मुख्य नियंत्रक,  
हते संयुक्त मुख्य नियंत्रक

(Central Licensing Area)

ORDER

New Delhi, the 19th July, 1974

**S.O. 2572.—M/s. Indian Industrial Corporation, Basti Guzan, Jullundur City were granted licence No. P/L/2661220 dt. 25-7-73 for Rs. 100000/- from G.C.A. under R.E.P. Category for import of Carbon Steel with Carbon Contents Higher than 0.3 per cent in Rounds, Hexagonal Flates and Squares.**

They have surrendered both the copies of licence on the ground that they do not intend to utilise the same. The Customs Purposes copy of this licence is stated to have been lost/misplaced without having been utilised at all.

The applicant has filed affidavits in support of the above statement as required under para 320 of I.T.C. Hand Book of Rules and Procedure, 1974-75. I am satisfied that the original Customs purposes copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9 (XX(CC) of Import Control Order, 1965 dated 7-12-1955, I order the cancellation of the said original customs copy of the licence.

[No. Imprest/Lic/56/A.M. 73/SC-VI/CLA/601]

A. T. MUKHERJEE, Dy. Chief Controller  
for Jt. Chief Controller

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

**कांग प्रा० 2573.**—सर्वश्री माइनिंग एवं एलेक्ट्रिक मशीनरी कारपोरेशन सि०, पी० भ्र० दुर्गापुर, जिला बरेवान को लाइसेंस के लिए संलग्न सूची के प्रनुसार कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए 29,00,000/-रु० का एक आयात लाइसेंस संख्या पी०डी०/2182890, विनांक 12-8-71 स्वीकृत किया गया था।

2. अब फर्म द्वारा यह बताया गया है कि उक्त लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रति या तो खो गई है और या अस्थानस्थ हो गई है। उक्त सीमाशुल्क समाहरण कलकत्ता के पास पंजीकृत कराई गई है और 5,10,040 रुपये मात्र तक के लिए उसका आशिक रूप में उपयोग कर लिया गया है। पार्टी में अब शेष अप्रयुक्त 23,89,960/-रुपये के लिए अनु-नियंत्रित सीमाशुल्क प्रति के लिए निवेदन किया गया है।

3. अपने निवेदन के समर्थन में उन्होंने एक शपथपत्र दाखिल किया है और अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि लाइसेंस संख्या पी०डी०/2182890, दिनांक 12-5-71 की सीमाशुल्क प्रति खो गई अवधार स्थानस्थ हो गई है और निवेदा देता है कि उन्हें अनुनियंत्रित लाइसेंस जारी किया जाना चाहिए। मूल सीमाशुल्क प्रति एक द्वारा रद्द की जानी है।

[संख्या : मैक-एम/1(8)/ए०/एम-71/प्रार एम-4]

आई० श्र० चूनकत,  
उप-मुख्य नियंत्रक

Office of the Chief Controller of Imports & Exports  
New Delhi  
ORDERS

New Delhi, the 24th September, 1974

**S.O. 2573.**—M/s. Mining and Allied Machinery Corporation Ltd., P.O. Durgapur Dist. Burdwan were granted an Import licence No. P/D/2182890 dt. 12-8-71 for import of Raw Materials/Components as per list attached worth of Rs. 29,00,000.

2. It has now been reported by the firm that the Original Customs Copy of the above said licence has either been misplaced or lost. It has been Registered with Collector of Customs Calcutta and has been partly utilised to the extent of Rs. 5,10,040/- only. The party has now requested to issue Duplicate Customs Copy for the balance un-utilised amount Rs. 23,89,960/-.

3. In support of their request they have furnished an affidavit and the undersigned is satisfied that customs copy of the licence No. P/D/2182890 dt. 12-5-71 has been misplaced or lost and directs that Duplicate licence may be issued to them. The original customs copy is hereby cancelled.

[No. Mach—M 1(8)/AM-71/RM-4]  
I. V. CHUNIKATH, Dy. Chief Controller

**कांग प्रा० 2574.**—सर्वश्री निष्पन्न इलेक्ट्रॉनिक (इंडिया) प्रा० लि०, पोस्ट बाक्स नं० 1905, बुल टैम्पल रोड़, बगलौर-19 को इलेक्ट्रॉनिक संघटकों के विनिर्देश के लिए कच्चे माल/संघटकों के आयात के लिए बारहवें येन ऑफिट के प्रधीन 1,50,000/-रुपये मात्र मूल्य का एक आयात लाइसेंस सं० पी०डी०/2195815/एम/जे०ए०/49/एच 37-38/रेडियो विनांक 24-12-73 प्रदान किया गया था।

2. उन्होंने उपर्युक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए उक्त आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति उन से खो गई है। लाइसेंसधारी द्वारा यह भी सूचना दी गई है कि लाइसेंस पर 1,50,000/-रुपये का उपयोग करना चाहिए। लाइसेंस सीमाशुल्क कार्यालय, मद्रास में पंजीकृत किया गया था।

3. अपने तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि आयात लाइसेंस सं० पी०डी०/2195815

विनांक 24-12-73 की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति खो गई है और मिलेंगी वेता है कि इस की अनुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति रद्द की जाती है।

4. लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति की अनुलिपि अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या/19/3/73-74/प्रार एम-2]

आई० श्र० चूनकत,  
उप-मुख्य नियंत्रक  
कृते मुख्य नियंत्रक,

**S.O. 2574.**—Nippon Electronic (India) Pvt. Ltd., Post Box No. 1905, Bull Temple Bangalore-19, were granted Import Licence No. P/D/2195815/S/JN/49/H/37-38/Radio dated 24-12-73 under 12th Yen Credit for import of Raw Materials/Components for the manufacture of Electronic Components valued at Rs. 1,50,000/- only.

2. They have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purposes Copy has been lost by them. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilized balance of Rs. 1,50,000/- only. The licence was registered with Madras Custom House.

3. In support of their contention, the applicants have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of Import Licence No. P/D/2195815 dated 24-12-73 has been lost and directs that a Duplicate Customs Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs purposes Copy is cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes Copy of the licence is being issued separately.

[No. Radio/19/3/73-74/RM. II]

I. V. CHUNIKATH, Dy. Chief Controller

नई विल्सी, 29 अगस्त, 1974

**कांग प्रा० 2575.**—सर्वश्री माहनी स्टील एन्ड प्रेसवर्क्स प्राइवेट लि०, 27, किरोल, विद्या विहार स्टेशन के पास बम्बई-86 को एक लाइसेंस रुपये मूल्य के पंत्र मिश्रधातु इस्पात और पचास हजार रुपये मूल्य के लाइसेंस से संलग्न सूची के प्रनुसार परीक्षण औजारों के आयात के लिए 1,50,000/-रुपये मूल्य का एक लाइसेंस सं० पी०डी०/2195238/भार प्राई एन/49/एच 37-38 विनांक 19-11-73 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुमति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां उनसे खो गई हैं। लाइसेंसधारी द्वारा यह भी सूचना दी गई है कि सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति किसी भी सीमाशुल्क प्रतिविकरण में पंजीकृत कराए बिना खो गई है और यह कि उसका उपयोग विल्सुल भी नहीं किया गया है।

अपने तर्क के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षर संतुष्ट है कि लाइसेंस सं० पी०डी०/2195238/भार/प्राई एन/49/एच 37-38 विनांक 19-11-73 की मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई/खो गई है और निवेदा देता है कि इन की अनुलिपि प्रतियां उनको जारी की जानी चाहिए। मूल सीमाशुल्क निकासी प्रति/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है। आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रति/मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रतियां अलग से जारी की जा रही हैं।

[संख्या ट्रांसफर 5(1)/73-74/भार एम 6]

एन० सी० काञ्जीलाल,  
उप-मुख्य नियंत्रण

New Delhi, the 29th August, 1974

S.O. 2575.—M/s. Sahney Steel & Pressworks Private Ltd., 27, Kiroli, Near Vidyavihar Stn., Bombay-86 were granted Licence No. P/D/2195238/R/IN/49/H/37-38 dt. 19-11-73 for Rs. 1,50,000 for import of Tool Alloy Steel for Rs. one lakh and testing instruments as per list attached thereto for Rs. fifty thousand. They have requested for issue of duplicate Customs & Exchange Control Purposes copies of the said licence on the ground that original Customs & Exchange Control purposes copies have been misplaced by them. It has further been reported by the licensee that the Customs/Exchange Purposes copies have been misplaced without having been registered with any Customs authority and that the same has not been utilised at all.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs/Exchange Control Purposes Copies of the licence No. P/D/2195/238/R/N/H/37-38 dated 19-11-73 have been misplaced/lost and directs that duplicate Customs/Exchange Control Purposes Copies of the said licence should be issued to them. The Original Customs/Exchange Control purposes copies are cancelled. Duplicate Customs/Exchange Control Purposes copies of the import licence are being issued separately.

[No. Transf. 5(1)/73-74/RM6]

N. C. KANJILAL,  
Dy. Chief Controller

ग्रावेदक

नई विल्सो, 23 सितम्बर, 1974

का० आ० 2576.—सर्वेश्वी एयर इंडिया, बम्बई एयर पोर्ट, मानताकुल, (ईस्ट), बम्बई को मामाल्य भुग्त क्षेत्र में, संलग्न सूची के अनुसार वायुयान फालतु पुर्जे एवं सामग्री के आयात के लिए 20,00,000 रुपये के लागत शीमा भूल्य के लिए आयात लाइसेंस संख्या जी/ए/ 1058385 दिनांक 7-2-73 प्रदान किया गया था। यह मरम्मत करने के बाद भी प्राप्त किए गए भाल के आयात के लिए वैध था। उन्होंने लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति आग में बदली हो गई है। विषयाधीन लाइसेंस अब भी सीमाशुल्क के पास पंजीकृत कराया गया है और उसकी कुल धनराशि का 3,20,540 रुपये तक उपयोग कर लिया गया है।

2. अपने उक्त तरफ के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या जी/ए/1058385 दिनांक 7-2-73 की मूल सीमाशुल्क आग में बदली हो गई है और यह कि आवेदक को उक्त लाइसेंस की अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति रह की जाती है।

[संख्या : 22/एयर/72-73/एम एल-2/187]

जे० शंकर, उप-मुख्य नियंत्रक,  
कृत मुख्य नियंत्रक

ORDER

New Delhi, the 23rd September, 1974

S.O. 2576.—M/s. Air-India, Bombay Airport, Santa Cruz (East), Bombay, were granted the Import Licence No. G/A/1058385, dt. 7-2-73 for the import of Aeroplane spares

and materials as per list attached for a C.I.F. Value of Rs. 20,00,000 from GCA this was also valid for import of goods received after repairs. They have now requested for the issue of a duplicate Custom Purpose copy of the licence on the ground that the original Custom Purpose Copy of the licence has been destroyed by me. The licence in question has been registered with Bombay Customs and total amount utilised is Rs. 3,20,540.

2. In support of their above said contention the applicant have submitted an affidavit. I am satisfied that the original Custom Copy of the Import licence No. G/A/1058385, dt. 7-2-73 has been destroyed by fire and that a duplicate Custom copy of the said licence for Rs. 16,79,460/- may be issued to the applicant and that the original Customs purpose copy are cancelled.

[F. No. 22/Air/72-73/ML-387]

J. SHANKER, Dy. Chief Controller.  
for Chief Controller

ग्रावेदक

का० आ० 2577.—सर्वेश्वी इंडियन शाकसीजन कम्पनी प्रा०लि० पूना को जमीनी जनन्वादी गणतन्त्र से नाप विनियम यंत्रों और अन्य उपसाधकों के सेट के साथ वायु पृथकारी सत्रभ मौर संयोजी हंजन प्रयोक की एक एक संख्या के आयात के लिए 2,09,550 रुपये मूल्य का एक आयात लाइसेंस स० पी/सी/ 2063949/टी/ई/प्रार/44/एच/33-34 दिनांक 1-7-72 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की अनुलिपि (सीमाशुल्क निकासी प्रति) को जारी करने के लिए उस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंस (सीमाशुल्क निकासी प्रति) का आंशिक उपयोग होने के बाद और अन्य अनुलिपि से पंजीकृत करने के बाद खो गया/अस्थानस्थ हो गया है। इस तरफ के समर्थन में आवेदक से एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

2. तबनुसार, मैं संतुष्ट हूँ कि उक्त लाइसेंस की मूल प्रति (सीमाशुल्क निकासी प्रति) खो गई है। इसलिए यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदा, 1955 दिनांक 7-12-55 की उप-धारा 9 (सी टी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए सर्वेश्वी इंडियन शाकसीजन कम्पनी प्रा०लि०, पूना को जारी किए गए उक्त लाइसेंस स० पी/सी/ 2063949/टी/ई/प्रार/44/एच/33-34 दिनांक 1-7-74 को एवड्डारा रह किया जाता है।

3. उक्त लाइसेंस की अनुलिपि प्रति (सीमाशुल्क निकासी प्रति) लाइसेंस धारी को अनुग्रह से जारी की जा रही है।

[संख्या सी०जी० 3/19(139-139-ए)/71-72/3245]

एम० ए० शेषन, उप-मुख्य नियंत्रक,

हृत मुख्य नियंत्रक

ORDER

S.O. 2577.—M/s. Industrial Oxygen Company Pvt. Ltd., Poona were granted an import licence No. P/C/2063949/T/ER/44/H/33-34 dated 1-7-1972 for Rs. 2,09,550/- for the import of one No. each of Air Separator Column and expansion engine with set of heat exchangers and other accessories from German Democratic Republic. They have applied for the issue of duplicate (Customs Purposes Copy) of the said licence on the ground that the original (Customs Purposes Copy) has been lost/misplaced having been partly utilised and registered at Bombay Customs authorities. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit.

2. I am accordingly satisfied that the original (customs purposes copy) of the said licence has been lost. Therefore, in exercise of powers conferred under sub-clause 9(cc) of

the Import (Control) order 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said licence No. P/C/2063949/T/ER/44/H[33-34] dated 1-7-1972 issued to M/s. Indian Oxygen Company Pvt. Ltd., Poona is hereby cancelled.

3. A duplicate licence (customs Purposes copy) of the said licence is being issued separately to the licensee.

[No. CG. III/19(139-139-A)/71-72/3245]

S. A. SESHAN, Dy. Chief Controller  
for Chief Controller

प्रौद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 2578.—केन्द्रीय मिल्क बोर्ड अधिनियम 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उप-धारा (3) के (क) में विहित शक्तियों

प्रौद्योगिक विकास, विभाग एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय  
(भारतीय मानक संस्था)  
नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

का० प्रा० 2579.—भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3 उपखण्ड 2 दिनांक 11 अगस्त, 1962 में प्रकाशित तत्कालीन वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) अधिसूचना मध्या 2561 दिनांक 26 जुलाई 1962 का अधिक्रमण करते हुए भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि नीचे दिए गए उत्पादों की मुहरांकन फीसों में परिवर्तन किया गया है। ये परिवर्तन मुहरांकन फीसों जिनके ब्यारे नीचे घनसूची में दिये हैं, 1 जून 1974 से लागू हो जाएंगी:—

#### घनसूची

क्रम उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी सं०	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की प्रक्रिया भौतिक शीर्षक	इकाई	मुहरांकन फीस
1. टारट्राजीन	IS: 1694-1960 टारट्राजीन की विशिष्ट	एक किमा०	20 पैसे
2. सूर्यस्त पीला (खाद्य रंग)	IS: 1695-1960 सूर्यस्त पीला (खाद्य रंग) की विशिष्ट	एक किमा०	20 पैसे
3. एमेरेथ	IS: 1696-1960 एमेरेथ की विशिष्ट	एक किमा०	20 पैसे

[संख्या सी एम डी/13:10]

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT SCIENCE & TECHNOLOGY  
(Indian Standards Institutions)

New Delhi, the 23rd September, 1974.

S. O. 2579.—In supersession of the then Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) notification No. 2561 dated 26 July 1962, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 11 August 1962, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees per unit for the following products have been revised. The revised rate of marking fees, details of which are mentioned in the Schedule given hereafter, shall come into force with effect from 1 June, 1974:

#### SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant In- dian Standard	Unit	Marking Fee
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Tartrazine	IS: 1694-1960 Specification for tartrazine	One kg	20 Paise
2.	Sunset yellow FCF	IS: 1695-1960 Specification for sunset yellow FCF	One kg	20 Paise
3.	Amaranth	IS: 1696-1960 Specification for amaranth	One kg	20 Paise

[No.CMD/13:10]

**का० घा० 2580—**भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपनियम (1) के प्रतुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से प्रधिसूचित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन, उवके शाब्दिक विवरण तथा सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे प्रतुसूची में विद्या गया है वह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उगके प्रधीन द्वारे नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1 जुलाई 1974 से लागू हो जाएगा।

### प्रतुसूची

क्रम मानक चिह्न की डिज़ा- उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी सं० इन	तत्पर्य भारतीय मानक की पदसंबंध प्रौढ़ शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1. IS : 1486 ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी 	IS : 1486-1969 ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी की विविधि (पहला पुनरीक्षण)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, सम्पूर्ण (2) में विद्याई गई शैली और प्रतुसार में ऐपार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंबंध शीर्षक गई है।

[सं० सीएमडी/13.9]

**S. O. 2580—**In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 July, 1974.

### SCHEDULE

Sl No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	IS:1486	Copper oxychloride, technical	IS:1486-1969 Specification for copper oxychloride, technical (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number of the Indian Standard being inscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No.CMD/13.9]

**का० घा० 2581—**भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के प्रतुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तकनीकी की प्रति इकाई मुद्रा लगाने की फीस नीचे प्रतुसूची में विद्या गई और के प्रतुसार निर्धारित की गई है। ये फीसें 1 जुलाई, 1974 से लागू हो जाएंगी।

### प्रतुसूची

क्रम उत्पाद/उत्पाद का वर्ग सं०	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंबंध और इकाई शीर्षक	प्रति इकाई मुद्रा लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)
1. ताम्र ऑक्सीक्लोराइड, तकनीकी	IS : 1486-1969 ताम्र ऑक्सीक्लोराइड तक- एक मीटर टन शीर्षक की विविधि (पहला पुनरीक्षण)	रु 5.00

[सं० सीएमडी/13 : 10]

**S. O. 2581.—**In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for copper oxychloride, technical, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1 July, 1974.

### SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Copper oxychloride, technical	IS:1486-1969 Specification for copper oxychloride, technical (first revision)	One Tonne	Rs. 5.00

[No.CMD/13:10]

**का० आ० 2582—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीसें नीचे अनुसूची में विए गए औरों के अनुसार निर्धारित की गई हैं। ये फीसें प्रारंभ विकाई गई नियमों से नाम हो जाएंगी।**

### अनुसूची

क्रम उत्पाद/उत्पाद का वर्ग संख्या	मन्त्र भारतीय मानक की पद- संख्या	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की कीमि लागू होने की तिथि	1	2	3	4	5	6
1. रसायन उद्योग के लिए मुमा चूना . IS : 1540 (भाग 2)-1970 रसा- यन उद्योग के लिए कली चूने और बुमे चूने की विशिष्टि, भाग 2 मुमा चूना (पहला पुन- रीक्षण)	एक मीटरी टन	₹ 0 1.00	1 जुलाई, 1974						
2. खनिकों की टोपी-बतिया IS : 5679-1970 खनिकों की टोपी बतियों की विशिष्टि	एक अनिक टोपी (1) पहली 15,000 इकाइयों 16 जुलाई, 1974 के लिए 20 पैसे प्रति इकाई, अधिक (2) शेष इकाइयों के लिए 10 पैसे प्रति इकाई ।								

[सं० सीएमडी/13 : 10]

**S. O. 2582.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee shall come into force with effect from the dates shown against each.**

### SCHEDULE

Sl No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Hydrated lime for chemical industry	IS:1540 (Part II)-1970 Specification for quick lime and hydrated lime for chemical industry Part II Hydrated lime (first revision)	One Tonne	Rs. 1.00	1 July, 1974.
2.	Miners' cap lamps	IS:5679-1970 Specification for miners' cap lamps	One Miners' cap lamp	(i) 20 Paise per unit for the first 15,000 units and (ii) 10 Paise per unit for the subsequent units	16 July, 1974.

[No.CMD/13:10]

**का० आ० 2583—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीसें नीचे अनुसूची में विए गए औरों के अनुसार निर्धारित की गई हैं। ये फीसें 1 जून, 1974 से लागू हो जाएंगी।**

## मानक संस्था

क्रम उत्पाद/उत्पाद का वर्ग सं०	सम्बद्ध भारतीय मानक को पदसंचया और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	
1	2	3	4	5
1. एरिथ्रोसीन	IS : 1697-1960 एरिथ्रोसीन की विशिष्टि	एक किंवद्दन	20 पैसे	
2. नील कार्मीन	IS : 1698-1960 नील कार्मीन की विशिष्टि	एक किंवद्दन	20 पैसे	
3. पॉन्सो 4 भार	IS : 2558-1963 पॉन्सो 4 भार की विशिष्टि	एक किंवद्दन	20 पैसे	
4. कारमोयसीन	IS : 2923-1964 कारमोयसीन की विशिष्टि	एक किंवद्दन	20 पैसे	
5. पैक्का भाल ई	IS : 2924-1964 पैक्का भाल ई की विशिष्टि	एक किंवद्दन	20 पैसे	

[सं० सीटम्बरी/13 : 10]

S. O. 2583—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per units for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee shall come into force with effect from 1 June, 1974.

## SCHEDULE

SI No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5
1.	Erythrosine	IS:1697-1960 Specification for erythrosine	One kg	20 Paise
2.	Indigo carmine	IS:1698-1960 Specification for indigo carmine	One kg	20 Paise
3.	Ponceau 4R	IS:2558-1963 Specification for ponceau 4R	One kg	20 Paise
4.	Carmoisine	IS:2923-1964 Specification for carmoisine	One kg	20 Paise
5.	Fast red E	IS:2924-1964 Specification for fast red E	One kg	20 Paise

[No.CMD/13:10]

क्रम नं० 2584—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के 4 उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से घासीसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों के दिजाइन, उनके शास्त्रिक विवरणों तथा तरसम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षकों महित नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) प्रधिनियम, 1952 और उसके प्रधीन बने नियमों के निमित ये मानक चिह्न 1 जून, 1974 से लागू हो जाएंगे।

## मानक संस्था |

क्रम संख्या	मानक चिह्न की दिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तरसम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंचया और शीर्षक	मानक चिह्न की दिजाइन का शास्त्रिक विवरण
1	2	3	4	5
1.	एरिथ्रोसीन	IS : 1697-1960 एरिथ्रोसीन की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'IST' शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में विवराई गई शीर्षी और अनुपात में लैंयार किया गया है और ऐसा दिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदसंचया और सब्ज 'फूड कलर' भंकित है।	

1 2

3

4

5

2.



नील कार्मिन

IS : 1698-1960 नील कार्मिन की विशिष्टि

भारतीय मानक सम्मा का मोनोप्राप्त जिसमें 'ISI' शब्द दोनों है, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोप्राप्त में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदार्थका और शब्द 'फूड कलर' अंकित है।

3.



पॉनरो 4 प्रार

IS : 2558-1963 पॉनरो 4 प्रार की विशिष्टि

भारतीय मानक सम्मा का मोनोप्राप्त जिसमें 'ISI' शब्द दोनों है, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोप्राप्त में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदार्थका और शब्द 'फूड कलर' अंकित है।

4.

कारमोसीन

IS : 2923-1964 कारमोसीन की विशिष्टि

भारतीय मानक सम्मा का मोनोप्राप्त जिसमें 'ISI' शब्द दोनों है, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोप्राप्त में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदार्थका और शब्द 'फूड कलर' अंकित है।

5.



पक्का लाल ई

IS : 2924-1964 पक्का लाल ई की विशिष्टि

भारतीय मानक सम्मा का मोनोप्राप्त जिसमें 'ISI' शब्द दोनों है, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोप्राप्त में नीचे की ओर भारतीय मानक की पदार्थका और शब्द 'फूड कलर' अंकित है।

[मं. गोप्यम/13-9]

**S.O. 2584.**—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title (s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 June, 1974.

## SCHEDULE

Sl No.	Design of the Product/Class of Product Standard Mark	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	
1	2	3	4	5
1.	Erythrosine 	IS:1697-1960 Specification for erythrosine	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	

2. IS:1698	Indigo carmine	IS:1698-1963 Specification for indigo carmine	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
3. IS:2553	Ponceau 4R	IS:2553-1963 Specification for ponceau 4R	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
4. IS:2923	Carmoisine	IS:2923-1964 Specification for carmoisine	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.
5. IS:2924	Fast red E	IS:2924-1964 Specification for fast red E	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col.(2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

क्रा० क्रा० 2585.—भारत के राजपत्र भाग II, संड 3 उपर्यंड 2 विनाक 30 मार्च, 1974 में प्रकाशित श्रीधोगिक विकास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारतीय मानक संस्था) प्रविष्टिका लज्जा अन० 345 विनाक 13 मार्च, 1974 हें प्राप्ति संशोधन के रूप में भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रविष्टिका किया जाता है कि एल्युमिनियम फोमाइट वीटी की टिकियो की मानक डिजाइन में परिवर्तन किया गया है। ये परिवर्तित मानक डिजाइन और तत्सद्दी भारतीय मानक का जीर्ण तथा शाब्दिक विवरण नीचे घटुतूची में दिये गये हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम, 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 16 नवम्बर, 1974 से लागू हो जायेगा।

#### अनुसूची

क्रम सं० मानक चिह्न उपाय/उपाय की वर्गीकृति मानक चिह्न की संज्ञा मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण  
की डिजाइन

1. IS 6438	एल्युमिनियम फोमाइट	IS:6438-1972 एल्युमिनियम भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द दर्शाया गया है। स्तरांक (2) में विवर्ण गई ऐसी श्रीर अनुपात से तैयार किया गया है और यहां डिजाइन में विद्याया है मोनोग्राम के ऊपर ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदमध्या दी गई है।
------------	--------------------	---

[स० स० एम० ओ०/13:9]

S.O. 2585.—In partial modification of the Ministry of Industrial Development, Science & Technology (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 845 dated 13 March 1974, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 30 March 1974, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the design of the Standard Mark for aluminium phosphide tablet has been revised. The revised design of the Standard Mark together with the title of the relevant Indian Standard and verbal description of the design is given in the following schedule:

This Standard Mark, for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 16 November 1974;

## THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal Description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1. IS: 6438		Aluminium phosphide tablets	IS: 6438-1962 Specification for aluminium phosphide tablets	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in exact style and relative proportions as indicated in Col. (2) the number of the Indin Standard being superscribed on the top side of the monogram as in indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

**क्रांतिा० 2586.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की प्रोर से अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों के डिजाइन, उनके शास्त्रिक विवरणों तथा तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षकों सहित भीचे अनुसूची में विये गये हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किये गये हैं।**

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) प्रधिनियम द्वारा उसके मध्यम बने नियमों के सिभिन ये मानक चिह्न उनके प्राप्त गई लिखियों से सामूहिक आयें।

**अनुसूची**

क्रम सं०	मानक चिह्न उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी की डिजाइन	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या प्रोर शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शास्त्रिक विवरण	सामूहिक होने की लिखिया	
1	2	3	4	5	6
1. IS : 1540	रसायन उत्पाद के लिये  बुना चूना	IS : 1540 (भाग-2) 1970 रसायन उत्पादों के लिये फली चूने और बुने चूने की	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं और स्लम्ब (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया	1 जुलाई, 1974	
2. IS : 1540	(II) प्रेष ए	विशिष्ट : भाग 2 बुना चूना (पहला पुष्टीकरण)	गया है और ऐसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम में ऊपर की प्रोर भारतीय मानक की पदसंबन्ध तथा भीचे की प्रोर प्रेष 'ए' और प्रेष 'बी०' अंकित है।		
3 IS : 5679	(II) प्रेष ए	जनिको की टोपी बत्तियाँ टोपी बत्तियों की विशिष्ट	IS : 5679-1970 जनिको की भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 16 जुलाई, 1974 ISI शब्द होते हैं, स्लम्ब (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और ऐसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की प्रोर भारतीय मानक की पदसंबन्ध दी गई है।		

[मं. सौ० एम० बी०/74/13:9]

**S.O. 2586.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the(Standard Mark) (s), design (s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.**

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from dates shown against each:

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 1540(II)	 GRADE A	Hydrated lime for chemical industry	IS:1540 (Part II)-1970 Specification for quick lime and hydrated lime for chemical industry Part II Hydrated lime (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being subscribed on the top side and the words 'GRADE A' and 'GRADE B' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the designs.	1 July 1974
2. IS: 1540 (II)	 GRADE B				
3. IS:5679		Miners' cap lamps	IS: 5679-1970 Specification for miners' cap lamps	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being subscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 July 1974

[No. CMD/13:9]

का०खा० 2587—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि कागज चेपी पदार्थ की प्रति इकाई मुहर लगाने के कोस नीचे अनुमूल्य में दिये गये और के अनुसार निर्धारित की गई है। ये फीस 1 अगस्त, 1974 से लागू हो जायेगी।

## अनुसूची

क्रम सं० उत्पाद उत्पाद की श्रेणी	सम्बन्ध भारतीय मानक की पदसंब्धा और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1. तरल गोंद और कार्यालयों के लिये नेईनुमा कागज चेपी पदार्थ	IS : 2257-1970 तरल गोंद और कार्यालयों के लिये नेईनुमा कागज चेपी पदार्थ की विशिष्ट	एक सीटर	2 पैसे

[सं. सी० एम० श०/13:10]

S.O. 2587.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for paper adhesives, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1 August 1974:

## THE SCHEDULE

Sl. No. of Product	Product/Class	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per Unit
1.	Paper adhesives, liquid gum and paper adhesives, liquid gum paste type	IS- 2257-1970 Specification for liquid gum and paper adhesives, liquid gum and office paste type	One Litre	2 Paise

[No. CMD/13:10]

का०खा० 2588.—भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उत्पाद 2 दिनांक 11 अगस्त, 1972 में प्रकाशित करा गया उद्दीपन मत्रानय (भारतीय मानक संस्था) प्रधिसूचना संख्या 2560 शिनांक 26 जुलाई, 1962 का अधिकरण करने द्वाये भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रार्थित किया जाता है कि नीचे दिये उत्पादों के मानक चिन्हों में परिवर्तन किया गया है। इन परिवर्तन मानक चिन्हों की विजाहन और तस्वीर भी भारतीय मानकों के शीर्षक तथा शास्त्रिक विवरण नीचे अनुसूची में दिये गये हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) प्रधिनियम 1952 और उसके अधीन बते नियमों में निर्मित ये मानक चिह्न 1 जून 1974 से लागू हो जायेगे।

## अन्तिमी

क्रम सं. मानक विहू उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी तन्मस्वरूपी भारतीय मानक  
की डिजाइन की पद संख्या और शीर्षक मानक विहू की डिजाइन तथा सारिक विवर।

1	2	3	4	5
1. IS . 1694	टारटाज़िन	IS 1694-1960 टारटाज़िन की विधिपट	भारतीय मानक नं. १६९४ वर्ष १९६० में तिथि १५ अगस्त १९६० प्रकृति हो। इसका (२) नं. विहू जैसा डिजाइन भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक में लिखे हैं और भारतीय मानक की पद संख्या और शब्द "फूड कलर" ग्रहित है।	
2. IS . 1695	सूर्योस्त पीला (खाद्य रम)	IS : 1695-1960 सूर्योस्त पीला खाद्य रम की विधिपट	भारतीय मानक नं. १६९५ वर्ष १९६० में तिथि १५ अगस्त १९६० प्रकृति हो। इसका (३) नं. विहू जैसा डिजाइन भारतीय मानक की पद संख्या और शब्द "फूड कलर" ग्रहित है।	
3. IS . 1696	एमेरैथ	IS 1696-1960 एमेरैथ की विधिपट	भारतीय मानक नं. १६९६ वर्ष १९६० में तिथि १५ अगस्त १९६० प्रकृति हो। इसका (४) नं. विहू जैसा डिजाइन भारतीय मानक की पद संख्या और शब्द "फूड कलर" ग्रहित है।	

[१० अ.० एस० डी०/१३ व]

S. O. 2388.—In supersession of the Ministry of Commerce and Industry (Indian Standards Institution) notification No. S.O. 2560 dated 26 July 1962, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 11th August 1962, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Marks for the following products have been revised. The revised designs of the Standards Marks together with the title of the relevant Indian Standards and verbal description of the designs are given in the following Schedule.

These Standards Marks for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1st June, 1974:

## SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No & Title of Relevant Indian Standards	Verbal description of the design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1. IS: 1694 FOOD COLOUR	Tartrazine	IS:1694-1960 Specification for tartrazine	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	
2. IS: 1695 FOOD COLOUR	Sunset yellow FCF	IS . 1695-1960 Specification for sunset yellow FCF	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	
3. IS: 1696 FOOD COLOUR	Amaranth	IS: 1696-1960 Specification for amaranth	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2); the number of the Indian Standard and the words 'FOOD COLOUR' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	

[No. CMD/13:9]

का० आ० 2589—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से गणित नियम जारी कि फिर मानक चिह्न को डिजाइन, उग्री प्रक्रिया विवरण नया नवम्बरधी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे अनुसूनी रूप से दिया रखा है, भारतीय मानक रूप से दिया गया है।

भारतीय मानक रूप से (प्राप्त: फिल्म) विविधता 1952 और उपके अधीन वो नियमों के विवरण यह मानक हिल्ह 1 अगस्त, 1974 से लागू हो जायेगी।

### अनुग्रही

क्रम सं०	मानक नियम उल्लेख/रूपरेखा वीथेनी की डिजाइन	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की पदसंज्ञा और शीर्षक	मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
----------	---	---	---------------------------------------

1	2	3	4	5
1. IS : 2257	तरल गोद और कार्पां टाईप बी०	IS : 2257-1974 तरल गोद भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई० एम० आई०'	शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है मोनो-ग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंज्ञा और नीचे की ओर शब्द "टाईप बी०" अंकित है।	



[सं० सी० एम० डी०/13:9]

S. O. 2589.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution is hereby notified that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in this Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1st August 1974;

### SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1. IS: 2257 Type B		Paper adhesives, liquid gum and office paste type	IS: 2257-1970 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type (first revision)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side and the word 'TYPE B' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13:9]

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1974

का० आ० 2590—समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार व्यविसूचित नियम जारी कि IS : 936-1965 भूमिगत हाइड्रेट नल, दो वाल्व वाले (पुनरीक्षित) नियम के बारे में भारत के राजपत्र भाग II छठ अंक 2 उपर्युक्त 2, दिनांक 9 अप्रैल, 1966 में अधिष्ठात्री संघर्षा एवं ओ० 1081 दिनांक 25 मार्च, 1966 के अन्तर्गत प्रकाशित हुये थे, रद्द कर दिया गया है। इस मानक में एक प्रकार हाइड्रेट नलों को तिया गया था, उन्होंने गहरे हो कि IS : 900-1965 भूमिगत हाइड्रेट नल, स्लुस वर्व वाले (पुनरीक्षित) में जारी रह जिया गया है।

[सं० सी० एम० डी०/13:7]

ए० के० गुप्ता, कार्यवाहक महानिदेशक,

New Delhi, the 24 September, 1974

S. O. 2590.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that IS: 936-1965 specification for underground fire hydrant, double valve type (revised), which was published under notification No. S.O. 1081 dated 25th March 1966, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) of 21st April 1966, has been cancelled. The types of hydrants covered in this standard are already covered in IS: 900-1965 Specification for underground fire hydrant, sluice valve type (revised).

[No. CMD/13:7]

A. K. GUPTA, Acting Director General

## इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई विल्सी, 19 सितम्बर 1974

**का० ओ० 2591.**—यह केन्द्रीय सरकार यह महसूम करती है कि इससे उपरान्ध अनुभवी में उत्तिक्षित भूमि में कोयला प्राप्त होने की संभावना है;

प्रतः, प्रब कोयलाधारी क्षेत्र (प्रजन और विकास) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 20) के खंड 4 के उपखंड (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भूमि में कोयले के लिए पूर्वेक्षण करने संबंधी अपने नियन्त्रण की एन्ड्रारा सूचना देती है।

इस प्रधिसूचना के प्रत्यर्गत आगे बाये क्षेत्र के नक्कों का राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व अनुभाग), दरभंगा हाऊस, राज्य प्रधान कलक्टर का कार्यालय, धेनकताल (उडीमा) प्रधान कोयला नियन्त्रक कार्यालय, 1, कौसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

इस प्रधिसूचना के प्रत्यर्गत आगे भूमि में रुचि रखने वाले सभी व्यक्ति कथित प्रधिनियम की धारा 13 को उपधारा (7) में उत्तिक्षित सभी नक्शे, चार्ट, और अन्य कागजात राजस्व प्रधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाउस, राज्य को इस प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के अन्दर-प्रत्येक प्रस्तुत कर देंगे।

अनुभवी

उत्तरी नियंत्रण खंड

तलचर कोयला क्षेत्र

द्राघग संघ्या राजस्व/21/74

दिनांक 12-6-74

(पूर्वेक्षण के लिए प्रधिसूचित भूमि)

क्रम सं०	प्राम	पुनिस स्टेशन	उप प्रभाग	जिला क्षेत्र	टिप्पणी
1.	लक्ष्मणपुर	फोनरी	तलचर	धेनकताल	प्राथिक
2.	बैदरवाड़ या बैदेश्वर	"	"	"	पूर्ण
3.	पवित्रपुर	"	"	"	पूर्ण
4.	पदमावतीपुर	"	"	"	प्राथिक
5.	अनान्तबोरी	"	"	"	प्राथिक

कुल क्षेत्र—640 एकड़ (लगभग)  
प्रथवा—259 हेक्टेयर

## सीमा विवरण

- ए-सी** लाइने ग्राम पदमावतीपुर तथा दानरा की अंशसः सम्मिलित सीमा ग्राम अनन्त बेरनी तथा दानरा, पवित्रपुर तथा दानरा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है।
- बी-सी** लाइने ग्राम पवित्रपुर तथा जम्बूवाहाली बैदरवाड़ प्रधान बैदेश्वर तथा जम्बूवाहाली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ होकर गुजरती है।

सी-डी

लाइने ग्राम लक्ष्मणपुर तथा जम्बूवाहाली की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है।

डी-ई

लाइने ग्राम लक्ष्मणपुर तथा बैड़सिंगदा की सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है।

ई-एफ

लाइने ग्राम लक्ष्मणपुर तथा बैलांडा की सम्मिलित सीमा (जो कोयला प्रधिनियम के खंड 9(1) के प्रत्यागत प्रधिप्रहीत दक्षिण बैलांडा खंड की अंशत सम्मिलित सीमा है) के साथ-साथ गुजरती है।

एफ-जी-एच

लाइने ग्राम लक्ष्मणपुर (जो कोयला प्रधिनियम के खंड 9(1) के प्रत्यागत प्रधिप्रहीत भरतपुर खंड की प्रेषत सम्मिलित सीमा है) से गुजरती है।

एच-आई

लाइने ग्राम लक्ष्मणपुर की अंशत सम्मिलित सीमा के साथ-साथ गुजरती है।

आई-ए

लाइने ग्राम दामोदरपुर (भहनाबनगर) तथा लक्ष्मणपुर की सम्मिलित सीमा के साथ साथ, तथा भीम अनन्त-बेरनी और पदमावतीपुर से होकर गुजरती है तथा बिन्दु 'ए' पर मिलती है।

[F. N. C5-4(21)/74]

सी० श्री० द्विपाठी, उप सचिव

## MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 19th September, 1974

**S. O. 2591.**—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the National Coal Development Corporation limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi or at the office of the Collector, Dhenkanal (Orissa) or at the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from the date of publication of this notification

SCHEDULE  
North Nandha Block  
Talcher Coal fieldDRG. No. Rev/21/74  
Dated 12-6-74

(Showing lands notified for Prospecting)

S. No.	Village	Police Station	Sub Division	District Area	Remarks
1.	Lachhmanpur	Colliery	Talcher	Dhenkanal	Part
2.	Baiderwar or Baideswar	"	"	"	Full
3.	Pabitrapur	"	"	"	Full
4.	Padmabatipur	"	"	"	Part
5.	AnantaborenI	"	"	"	Part

Total Area 640 acres (approximately)  
or 259 hectares

**Boundary Description :**

- A-B** line passes along the part common boundary of villages Padmabatipur and Danra, common boundary of villages Anantabereni and Danra, Pabitrapur and Danra.
- B-C** line passes along the common boundary of villages Pabitrapur and Jambubahali, Baiderwar or Baldewar and Jambubahali.
- C-D** line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur and Jambubahali.
- D-E** line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur and Badasingda.
- E-F** line passes along the common boundary of villages Lachhmanpur and Balandia (which is also the part common boundary of South Balandia Block acquired U/s 9(1) of the Coal Act).
- F-G-H** lines pass through village Lachhmanpur (which is also the part common boundary of Bharatpur Block acquired U/s 9(1) of the Coal Act).
- H-I** line passes along the part common boundary of villages Nakhatrapur and Lachmanpur.
- I-A** line passes along the common boundary of villages Damodarpur (Alhadnagar) and Lachhmanpur and through villages Anantabereni & Padmabatipur and meets at point 'A'.

[F. No. C5-4/(21)/74]

C.D. TRIPATHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 1974

का०आ० 2592.—कोयला खान राष्ट्रीयकरण भवित्वियम्, 1973 (1973 का 26) की धारा 17 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, उन्द्रद्वारा भी एच० के० धोप, आई० ए० एस०, को, 20 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से संदाय प्रायुक्त नियुक्त करती है।

[सं० 49016/1/74-कोयला-3]

शरण विहारी लाल, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 27th September, 1974

**S.O. 2592.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 17 of the Coal Mines (Nationalisation) Act, 1973 (26 of 1973), the Central Government hereby appoints Shri H. K. Ghosh, IAS, as the Commissioner of Payments, with effect from the forenoon of the 20th September, 1974.

[No. 49016/1/74-C-3]

S. B. LAL, Joint Secy.

## पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 1974

का० आ० 2593.—केन्द्रीय सरकार, सरकारी स्थान (भ्रात्रिकृत भवित्वियों की बेवहनी) भवित्वियम्, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय की भवित्वियना सं० का० आ० 1633 तारीख 25 मई, 1973 द्वारा यथा संबोधित भारत सरकार के निर्माण और भावास मंत्रा-79 GI/74—4

उप की भवित्वियना सं० का० आ० 870 तारीख 3 मार्च, 1972 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, प्रार्थतः—

उक्त भवित्वियना के दीर्घ सारणी में, कम-संदृष्टा 9 के सामने, स्तम्भ 1 की प्रविष्टि के स्थान पर "उप महा प्रबन्धक भारतीय सिन्ही यूनिट उर्वरक नियम, सिन्ही" प्रविष्टि रखी जाएगी।

(स 26(5)/73 उर्वरक I)  
एस० राष्ट्रवन, घबर मंत्रिव

## MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

New Delhi, the 13th September, 1974

**S.O. 2593.**—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Works and Housing No. S.O. 870 dated the 3rd March, 1972, as amended by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals No. S.O. 1633 dated the 25th May, 1973 namely :—

In the Table below the said notification, against Serial No. 9, for the entry in Column 1, the entry "Deputy General Manager, Sindri Unit, Fertilizer Corporation of India, Sindri" shall be substituted.

[No. 26(5)/73-Forts I]

S. RAGHAVAN, Under Secy.

## (पेट्रोलियम विभाग)

बड़ीदा, 18 सितम्बर, 1974

का० आ० 2594.—यह इस संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) भवित्वियम्, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की भवित्वियना द्वारा गुजरात राज्य नवागम तेल क्षेत्र में अध्यन बी०ई०प्रो० से बी०ई०जे०सी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उम संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित कर दिया गया है।

और यह तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 22-3-71 की उक्त भवित्वियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में विविष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब, यह पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निविष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा भवित्वित करता है।

## अनुसूची

बी०ई०प्रो० से बी०ई०जे० से जी०जी०एस०-III तक पाइपलाइन की संक्रिया का पर्यवसान

भवित्विय का नाम	गांव	सर्वेक्षण	भारत के संघीय राजपत्र में पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख	संक्रिया के
-----------------	------	-----------	--	-------------

पेट्रोलियम और रसायन पनसोली 2888 6-10-73 22-3-71

[सं० 12016/4/74-एस० तथा एल०/4]

## Petroleum Department

Baroda the 18th September, 1974.

**S.O. No. 2594**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. BEO To BEJ to GGS-III in Nawagam oil field in Gujarat State.

And Whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 22-3-71.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

## Termination of Operation of Pipeline from BEO To BEJ to GGS-III

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Pansoli	2888	6-10-73	22-3-71

[No. 12016/4/74-L&amp;L/IV]

**का०सा० 2595.**—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य कलोल तेल थोड़ में व्यवस्था के ०-१५६ से जी०जी०एस०-५ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का प्रधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 15-1-72 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) नियमावली, 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा प्रधिसूचित करता है।

## अनुसूची

के०-१५६ से जी०जी०एस०-५ तक पाइपलाइन की संक्रिया का पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण	भारत के संक्रिया के संघर्ष
		राजपत्र में पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख	

पेट्रोलियम और रसायन जी०एन०ए० 2978 13-10-73 15-1-72  
और इसें

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एस०/3]

**S.O. No. 2595.**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section(i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. K-156 to GGS-V in Kalol oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 15-1-1972.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

## SCHEDULE

## Termination of operation of Pipeline from K-156 to GGS-V

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	OLA & Isand	2978	13-10-73	15-1-1972

[No. 12016/4/74-L&amp;L/III.]

**का०सा० 2596.**—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य नवागम तेल थोड़ में व्यवस्था के०-१५० से जी०जी०एस०-५० से जी०जी०एस०-१ तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का प्रधिकार अर्जित कर दिया गया है।

और यतः तेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 28-5-74 को उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के लिए (1) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्यवसित कर दिया है।

अब, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यवसान के रूप में एतद्वारा प्रधिसूचित करता है।

## अनुसूची

## बी०ई०य० से बी०ई०एव०(ए०) ने जी०जी०एस०-१ तक पाइपलाइन की संक्रिया पर्यवसान

मंत्रालय का नाम	गांव	सर्वेक्षण	भारत के संक्रिया के संघर्ष
		राजपत्र में पर्यवसान की प्रकाशन की तारीख	

पेट्रोलियम और रसायन नवागम 3632 29-12-73 28-5-74

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एस०/2]

**S.O. 2596**—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section(i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition f Right of Use in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. BEU to BEH (A) to GGS. I in Nawagam oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 28-5-74.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

#### SCHEDULE

Termination of operation of Pipeline from D.S. BEU To BEH(A) to GGS. I

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Nawagam	3632	29-12-73	28-5-74

[No. 12016/4/74-L&L/II.]

**का० आ० 2597**.—यतः इस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट और पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना द्वारा गुजरात राज्य नवागम तेल क्षेत्र में अध्यन बी०ई०जे० से जी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए उस संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का प्रधिकार अर्जित कर लिया गया है।

और यतः सेल और प्राकृतिक गैस आयोग ने 18-7-70 को उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अध्या (i) में निर्दिष्ट प्रक्रिया को पर्याप्त कर दिया है।

अब, अतः पेट्रोलियम पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकारों का अर्जन) नियमावली 1963 के नियम 4 के अधीन सक्षम प्राधिकारी उक्त तारीख को ऊपर निर्दिष्ट संक्रिया के पर्यावरण के रूप में एतद्वारा अधिसूचित करता है।

अनुसूची

बी०ई०जे० से जी०जी० एस०-III तक पाइपलाइन की संक्रिया का पर्यावरण

मंत्रालय का नाम	गाँव	संक्षेपण	भारत के संक्रिया के
		संघ्या	राजपत्र में पर्यावरण की
			प्रकाशन की तारीख
पेट्रोलियम और रसायन	पनसोली	2400	19-6-71 18-7-70

[सं० 12016/4/74-एल० तथा एल० 1]  
जैड० ए० शेख, सक्षम अधिकारी

**S.O. 2597**.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (i) of section 6 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 the Right of User has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of Petroleum from drill site No. BEJ to G.G.S. III in Nawagam oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 18-7-70.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Rules 1963, the Competent Authority hereby notified the said date as the date of termination of operation referred to above.

#### SCHEDULE

Termination of Operation of Pipeline from BEJ to G.G.S. III

Name of Ministry	Village	S.O. No.	Date of publication in the gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum & Chemicals	Pansoli	2400	19-6-71	18-7-70

[No. 12016/4/74-L&L/II]  
Z.A. SHAIKH,  
Competent Authority

नीवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1974

**का०आ० 2598**—सार्वजनिक परिसर अवधिकृत (दखलकारों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एतद्वारा श्री अवतार मिहू अरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, दिल्ली परिवहन नियम, नई दिल्ली को भारत सरकार के राजपत्रिन अधिकारी के पद के मामान अधिकारी होने से उप मन्त्रप्रबन्धक, दिल्ली परिवहन नियम, नई दिल्ली के स्थान पर सम्पदा अधिकारी नियुक्त करते हैं और भारत सरकार के भूतपूर्व निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा०आ० सं० 707 दिनांक 22 मार्च, 1961 में निम्नलिखित और संणोधन करते हैं, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना की सारणी की क्रम संख्या 7 के सामने स्तम्भ 1 में प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्:—

“श्री अवतार सिंह, अरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, दिल्ली परिवहन नियम, नई दिल्ली ।”

[का० सं० 1-टी०ए०जी० (18)/74]  
एन० ए० ए० नारायणन, अवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
(Transport Wing)

New Delhi, the 20th September, 1974

**S.O. 2598.**—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupations) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints Shri Avtar Singh, Senior Administrative Officer, Delhi Transport Corporation, New Delhi, being an officer equivalent to the rank of gazetted Officer of Govt. of India to be the estate Officer vice the Deputy General Manager Delhi Transport Corporation, New Delhi, and makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Works, Housing and Supply S.O. No. 707 dated the 22nd March, 1961, namely:

In the Table to the said notification against Serial No. 7 in Column 1, for the entry the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Avtar Singh, Senior Administrative Officer, Delhi Transport Corporation, New Delhi".

[F.No. 1-TAG(18)/74]  
N. A. A. NARAYANAN, Under Secy.

**का०शा० 2599.**—निम्नलिखित विनियम, जिन्हें नाविक भविष्य निधि मोजना, 1966 के पैरा 20 के उप-पैरा (2) के साथ पठित नाविक भविष्य निधि प्रधिनियम, 1966 (1966 का 4) की धारा 7 की उप-धारा (6) के प्रत्युत्तरण में नाविक भविष्य निधि के न्यासी योड़ धारा केन्द्रीय सरकार के भगुनावत से नाविक भविष्य निधि संगठन कर्मचारी बर्ग (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1972 में संशोधनाये गये हैं, सामान्य सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं:—

1. (1) इन विनियमों का नाम नाविक भविष्य निधि संगठन कर्मचारी बर्ग (सामान्य भविष्य निधि) संशोधन विनियम, 1974 है।

(2) ये विनियम, राजपत्र में प्रपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होने।

2. नाविक भविष्य निधि संगठन कर्मचारी बर्ग (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1972 के विनियम 12, उप-विनियम (2) में "उससे पहले के महीने के अन्त तक, जिसमें भुगतान किया गया है या उस महीने के बाद छठे मास के अन्त तक जिसमें ऐसी रकम देय होगा, जिन्हें ऐसी रकम का भुगतान किया जाता है", के स्थान पर "उस महीने से पहले के महीने के अन्त तक देय होगा, जिसमें संगृहीत रकमें बस्तुतः लौटाई जाती है" शब्द प्रतिस्थापित किये जायें।

[स एम० इच्छू०एस० (17)/74-एम०टी]

वि० वि० मुद्रमध्यम, उप-सचिव

**S.O. 2599.**—The following regulations which have been made by the Board of Trustees of the Seamen's Provident Fund in pursuance of sub-section (6) of section 7 of the Seamen's Provident Fund Act, 1966 (4 of 1966), read with sub-paragraph (2) of paragraph 20 of the Seamen's Provident Fund Scheme, 1966 and with the approval of the Central Government, to amend the Seamen's Provident Fund Organisation Staff (General Provident Fund) Regulations, 1972 are published for general information:—

1. (1) These regulations may be called the Seamen's Provident Fund Organisation Staff (General Provident Fund) Amendment Regulations, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Seamen's Provident Fund Organisation Staff (General Provident Fund) Regulations, 1972, in regulation 12, in sub-regulation (2), for the words "upto the end of the month preceding that in which payment is made, or upto the end of the sixth month after the month in which such amount became payable, whichever of these periods be less, shall be payable to the persons to whom such amount is to be paid", the words "shall be payable until the end of the month preceding the month in which the accumulations are actually refunded" shall be substituted.

[No. MWS(17)/74-MT]

V. V. SUBRAHMANYAM, Dy. Secy.

नई विल्ली, 23 सितम्बर, 1974

**का०शा० 2560.**—काण्डा प्रारंभिक डॉक कर्मचार (नियोजन का विनियम) स्टीम, 1968 के खण्ड 4 के उप-विष्ट (1) द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय खाद्य निगम के उप-प्रबन्धक (प्रबालन) को प्रशासनिक निकाय के लिए नाम निर्विचित करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का०शा० 1893, तारीख 9 मई, 1969 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथात्:—

उक्त अधिसूचना में, मद (2) और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित मद और प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथात्:—

"(2) उप-प्रबन्धक (प्रबालन), काण्डा।"

[फा० सं० बी०-17025/6/74-एल०टी०]

वि० संकरालिङ्गम  
प्रबर सचिव,

New Delhi, the 23rd September, 1974

**S.O. 2600.**—In exercise of the powers conferred by sub-Clause (1) of clause 4 of the Kandla unregistered Dock Workers (Regulation of Employment) Scheme, 1968, the Central Government hereby nominates the Deputy Manager (Operations) of the Food Corporation of India to the Administrative Body and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Dept. of Labour and Employment) No. S.O. 1893 dated the 9th May, 1969, namely:—

In the said notification, for item (2) and the entry relating thereto, the following item and entry shall be substituted, namely:—

"(2) The Deputy Manager (Operations), Kandla".

[File No. V 17025/6/74-LD]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई विल्ली, 25 सितम्बर, 1974

**का०शा० 2561.**—स्थाई आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय नार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक से आवला-टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-10-74 प्रमाणित दर प्रणाली लागू करते का निश्चय किया है।

[सं० 5-8/74-पी० एच० बी०]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. &amp; T. Board)

New Delhi, the 25th September, 1974

**S.O. 2601.**—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-10-74 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bavla Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-8/74-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General.

मही दिल्ली, 26 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2602.**—भारतीय डाक घर प्रधिनियम, 1898 (1898 का 6) की धारा 4 के साथ पठिन धारा 21 द्वारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केंद्रीय सरकार, भारतीय डाकघर नियम, 1933 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय डाक घर (छठा संशोधन) नियम, 1974 है।
- (2) ये 1974 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाक घर नियम, 1933 में, "भाग III डाक वस्तुओं का रजिस्ट्रीकरण" में, "I-प्रन्तदेशीय डाक वस्तुयों" शीर्षक के अन्तर्गत, नियम 69 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

"66-क: प्रन्तदेशीय डाक वस्तुयों निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुये, अभिलिखित वितरण के लिये, उसके लिये रसीदें अभिप्राप्त करने के पश्चात्, सभी डाक घरों से बुक की जा सकेगी, अर्थात्:—

- (1) यह सेवा, पारस्लों के सिवाय, सभी यांगों की डाक को, जो रजिस्ट्रीकूट सेवा द्वारा भेजी जा सकती है, उपलब्ध होगी।
- (2) इस सेवा के सिये डाक महसूल के अतिरिक्त, प्रति वस्तु 65 पैसे की फीस, उसी रीति में जैसी रजिस्ट्रीकूट वस्तुओं के मामले में विद्युत है, प्रेषक द्वारा पूर्णसंवेदन की जायेगी और यदि प्रेषक वस्तु के वितरण का प्रमाणपत्र की सूचना अभिप्राप्त करने का इच्छुक है तो प्रति वस्तु 15 पैसे की अतिरिक्त फीस दी जायेगी।
- (3) इस सेवा के अन्तर्गत बुक करने के लिये वस्तु के ऊपर "अभिलिखित वितरण"-मूर्त्तिकार प्रमुख रूप लिखे होंगे और प्रेषिती के नाम और पते के अतिरिक्त प्रेषक का नाम और पता भी लिखा होगा।
- (4) प्रेषक, बुक करने के लिये वस्तु प्रस्तुत करते समय, निम्नलिखित प्रोफार्मा में सम्बद्ध रूप से स्थाही से लिखा या टाइप किया दृग्मा या मुद्रित, डाक अभिलेख देगा:—

अभिं वि०-१

सं.—————

प्रमाणित किया जाता है कि (नाम).....(पता).....  
.....को प्रेषक को सूचना सहृदयपत्र/प्रन्तदेशीय पत्र-  
कार्ड/पोस्टकार्ड/बुक पैकेट अभिलिखित वितरण के लिये डाक द्वारा भेजा  
गया था।  
मंत्रन डाक महान्.....

प्रेषक का नाम और पता	डाक घर की तारीख मोहर	डाक घर के प्रिपिक के हस्ता- क्षर
----------------------	-------------------------	--

- (5) प्रेषक द्वारा बुक करने के लिये प्रस्तुत की गई वस्तु/वस्तुओं और विवरण गए डाक अभिलेख की संवीका के पश्चात् डाक घर प्रेषक को अविप्राप्त के रूप में, हल्लावारित भीर तारीख मोहरकित डाक-अभिलेख लौटा देगा।
- (6) इस सेवा के अन्तर्गत बुक की गई किसी वस्तु के बारे में विकायातें वस्तु के बुक करने की तारीख से 2 मास के भीतर की जा सकेगी और उनमें अन्य बातों के साथ डाक-अभिलेख की तारीख और संबंध बुकिंग कार्यालय का नाम होगा।"

[सं. 41/10/72-सी० प्रा०]

श्रीमती जी० ई० बनर्जी, निदेशक, डाक (तकनीकी)

New Delhi, the 26th September, 1974

**S.O. 2602.**—In exercise of the powers conferred by section 21 read with section 4 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

- 1 (1) These rules may be called the Indian Post Office (Sixth Amendment) Rules 1974.
- (2) They shall come into force on the 1st day of November 1974.
2. In the Indian Post Office Rules 1933, in "Part III Registration of Postal Articles", under the heading "I-Inland Postal Articles", after rule 65, the following rule shall be inserted, namely:—  
"66-A-Inland postal articles may be booked at all post Offices after obtaining receipts therefor, for recorded delivery subject to the following conditions, namely:—  
  - (1) The service shall be available to all classes of mails which can be sent by registered service except parcels.
  - (2) A fee of 65 paise per article, in addition to the postage, shall be prepaid by the sender in the same manner as is prescribed in the case of registered articles, for this service and an additional fee of 15 paise per article shall be paid if the sender desires to obtain an advice of delivery for the article.
  - (3) An article for booking under this service shall prominently bear the superscription "Recorded Delivery" and shall also bear the name and address of the sender in addition to that of the addressee.
  - (4) The sender, shall, at the time of presenting the article for booking, tender a record of posting duly filled in ink or typewritten or printed in the following proforma:—

RD-1.

Certified that a letter/LC/Postcard/Book Packet with/without "IS" addressed to (name) \_\_\_\_\_ (address) was posted for Recorded Delivery.

Postage paid \_\_\_\_\_

Name and address of Sender.

Date Stamp of  
Post OfficeSignature of Post  
Office Clerk

(5) After scrutiny of the article(s) presented for booking and the record of posting tendered by the sender, the record of posting tendered by the sender, the post office shall return to the sender the record of posting signed and date stamped, in token of authentication.

(6) Complaints regarding any article booked under this service may be preferred within 2 months from the date of booking of the article and shall inter alia contain the date and the number of record of posting and the name of the office of booking."

[No. 41-10/72-CI]

SMT. G. E. BANERJI, Director Postal (Technical)

### सिवाई और विद्युत मंत्रालय

ग्रामेश

मई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1974

का० २६०३—भारतीय विद्युत नियम १९५६ के नियम १३३ के उपनियम (२) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा भावेष देती है कि उक्त नियमों के—

- (i) नियम ११७(३),
- (ii) नियम १२३(५),
- (iii) नियम १२३(७), और
- (iv) नियम ११८(४)

को कोल माइन्स अपोर्टटी लिमिटेड के पूर्वी खण्ड में (i) पोयरी (2) मधुजोड़, और (3) बांकुला कोलियरी पर कम से० (1) एन०-५६४, (2) एन०-५६२, और (3) एन०-३६४ के कम से० बाले रुसी मेक टाइप के एम०पी०-३ कोयला काटने वाली तीन मशीनों के प्रयोग के बारे में इस सीमा तक शिथिल किए जायेगे कि (1) नियम ११७(३) के शिथिलीकरण में, कोयला काटने वाले के लिए लचीने केबिल की धात्विक आवरण के साथ व्यवस्था नहीं की जा सकेगी; (2) नियम १२३(५) के शिथिलीकरण में, कोयला काटने वाले के लिए लचीने केबिल की धात्विक आवरण के साथ व्यवस्था नहीं की जा सकेगी; (3) नियम १२३(७) के शिथिलीकरण में, लचीने केबिल की सम्भाई ९१-४४ भी० तक निर्विधित नहीं की जा सकेगी; (4) नियम ११८(४) के शिथिलीकरण में, पाइलट सर्किल का वोल्टेज ३० वाल्ट तक निर्विधित नहीं हो सकेगा और शिथिलीकरण निम्नलिखित शर्तों के अवधीन रहते हुए होगा:—

१. पूर्तिकर भूमि कारण संरक्षा की समीप में व्यवस्था की जानी चाहिए, जो भूमि-बोध के आवश्यक पर तत्काल सक्रिय होगी;
२. निम्नलिखित प्रान्तों वाली टिकाऊ स्वरूप की ऐट स्थायी और प्रमुख रूप से द्वारान्त सर्किल अण्डिल (गेट एड सर्किल ब्रेकर) पर प्रदर्श की जाएगी।

"सामने का आवरण खोलने से पूर्व सम्परण (सप्लाई) अन्य स्थान पर पूर्ण रूप से बिलग किया जाना चाहिए और सम्परण (सप्लाई) तब तक चालू नहीं की जाएगी जब कि सामने का आवरण सुरक्षित रूप से महीं रखे दिया जाता।"

३. कोयला काटने वाले के लचीने केबिल को विद्युत मिस्ट्री द्वारा भारतीय विद्युत नियम, १९५६ के नियम १२३(४) द्वारा यथा अपेक्षित मशीन प्रबालक द्वारा, केबिल की संपरीक्षा के कानूनी उत्तरदायित्व के अनियक्त प्रत्येक पारी में कम से कम एक बार अधिक तरह सम्परीक्षित किया जाएगा;

४. केबिल का विद्युत-रोधी प्रतिरोध यथा सम्भव पुनः पुनः (ऐसी आवश्यित स्पलाह में कम से कम एक बार होगी) ५०० वाल्ट मैगर से विद्युत पर्यवेक्षक द्वारा परीक्षित किया जाएगा और उसके परिणाम इस प्रयोजनार्थ अनन्य रूप से रखी गयी जिल्द वाली किताब में अभिनिवित किए जाएंगे और उनको आन सुरक्षा महानिवेशालय के निरीक्षण अधिकारी के सामने जब इस प्रकार नियेषित किया जाए, तो वह किया जाएगा;

५. एक मैग श्रोता से कम केबिल के विद्युत-रोधी प्रतिरोध के मूल्य की दशा में, केबिल को तुरन्त प्रयोग से हटा दिया जाएगा।

"परन्तु यह कि उपस्कर का प्रबालन भारतीय विद्युत नियम १९५६ के नियम ३ के अन्तर्गत सम्पूर्ण रूप में प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा किया जाएगा और इस प्रकार प्राधिकृत व्यक्ति उपस्कर के प्रबालन में सुरक्षित रीति से समर्थ होगे।"

"परन्तु यह कि यदि सुरक्षा के हित में यह आवश्यक समझा जाए, तो यह शिथिलीकरण किसी भी समय संशोधित किया जा सकेगा या हटाया जा सकेगा।"

परन्तु यह कि यदोंतर शिथिलीकरण ऐसे समय तक विधिमत्य होगा जब तक कि उक्त मशीन का खान में प्रयोग किया जाता है और ज्यों ही उक्त मशीन खान से बाहर निकाल दी जाती है तो उसकी सम्पूर्ण सूचना केन्द्रीय सरकार को उपनिवेशक खान सुरक्षा (विद्युत मुख्यालय) घनबाद के द्वारा दी जाएगी।

[सं० ई० एल० II-६ (३)/७४]

मुरेन्द्र प्रकाश जैन, उपनिवेशक (विद्युत)

### MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

#### ORDER

New Delhi, the 23rd September, 1974

S.O. 2603.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government hereby directs that the provisions of—

- (i) Rule 117(3),
- (ii) Rule 123(5),
- (iii) Rule 123(7), and
- (iv) Rule 118(e)

of the said Rules shall be relaxed in respect of the use of three numbers of Russian Make type KMP-3 Coal-cutting Machines with Serial Nos. (1) N-564, (2) N-562 and (3) N-364 at (1) Poidih, (2) Madhujore and (3) Bankola Collieries in the Eastern Division of the Coal Mines Authority Limited, to the extent that (1) in relaxation of Rule 117(3), the conductivity of the earth conductor enclosed in the flexible trailing cable for the coalcutter may not be 50 per cent of that of the largest conductor enclosed in the flexible cable; (2) in relaxation of Rule 123(5), the flexible cable for the coal-cutter may not be provided with metallic screening; (3) in relaxation of Rule 123(7), the length of

the flexible cable may not be restricted to 91.44 metres; and (4) in relaxation of Rule 118(e), the voltage of the pilot circuit may not be restricted to 30 volts, and that the relaxation shall be subject to the following conditions:—

1. A back-up earth leakage protection must be provided nearby which shall be instantaneously operative on the incidence of an earth fault;

2. A plate of durable nature bearing the following inscription shall be permanently and conspicuously displayed on the gate-end circuit breaker.

"Before opening the front cover, the supply must be fully isolated elsewhere and supply shall not be restored unless and until the front cover is put back into its position securely".

3. The flexible cable of the coal cutter shall be examined thoroughly by an electrician at least once in each shift in addition to the statutory responsibility of examining the cable by the machine operator as required by Rule 123(4) of the Indian Electricity Rules, 1956;

4. The insulation resistance of the cable shall be tested by a 500 Volt Megger as frequently as possible (such frequency being at least once a week), by the Electrical Supervisor and the results thereof shall be recorded in a bound book maintained exclusively for this purpose and which shall be produced to the Inspecting Officer of the Directorate-General of Mines Safety as and when so directed; and

5. In the event of the value of the insulation resistance of the cable registering less than 1 Meg. Ohm; the cable shall be forthwith withdrawn from use.

"Provided that the operation of the equipment will be done by the persons duly authorised under Rule 3 of the I.E. Rules, 1956 and persons so authorised shall be capable of operating the equipment in a safe manner".

"Provided that this relaxation may be amended or withdrawn at any time if considered necessary in the interest of safety".

Provided that the aforesaid relaxation shall be valid for such time as the said machine is in use in the mine and due information shall be given to the Central Government through the Dy. Director of Mines Safety (Electrical-Headquarters), Dhanbad, as soon as the machine is taken out of the mine.

[No. EL-II-6(3)/74]

S. P. JAIN, Dy. Director.

अम मंत्रालय

आवेदा

नई दिल्ली, 9 अगस्त, 1974

का० आ० 2604—यत. केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपरांत अनुसूची में विनियोगित विषयों के बारे में श्री खब चन्द ठेकेदार और डालमिया वादरी सीमेट लिमिटेड, चर्खी वादरी, जिला भिवानी (हरियाणा) के प्रबन्धतत्र और उनके ठेकेदार, श्री खब चन्द, सीमेट फैक्ट्री कोलोरी, डाकघर चर्खी वादरी, जिला भिवानी (हरियाणा), द्वारा 2-7-1972 से 17-9-1972 (78 दिनों), और 21-12-1972 से 4-1-1973 (15 दिनों) और 4-3-1972 और 27-11-1972 की अवधि के दौरान अपनी पत्थर-खदानों को बद रखना अथवा अभियांत्रों को भजदूरी या मुआवजा दिए बिना काम न देना न्यायोचित था? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुसूची के हक्कावार हैं और किस से?

### अनुसूची

"तारीख 26 फरवरी 1972 के समानौते से हुए निर्णय के अंडे 2 और 8 की घटने को वृष्टि में रखते हुए, श्री डालमिया वादरी सीमेट लिमिटेड, डाकघर चर्खी वादरी, जिला भिवानी (हरियाणा) के प्रबन्धतत्र और उनके ठेकेदार, श्री खब चन्द, सीमेट फैक्ट्री कोलोरी, डाकघर चर्खी वादरी, जिला भिवानी (हरियाणा), द्वारा 2-7-1972 से 17-9-1972 (78 दिनों), और 21-12-1972 से 4-1-1973 (15 दिनों) और 4-3-1972 और 27-11-1972 की अवधि के दौरान अपनी पत्थर-खदानों को बद रखना अथवा अभियांत्रों को भजदूरी या मुआवजा दिए बिना काम न देना न्यायोचित था? यदि नहीं, तो ये कर्मकार किस अनुसूची के हक्कावार हैं और किस से?

[संख्या एल-29011(16)/74-एल० आर० 4]

### MINISTRY OF LABOUR

#### ORDER

New Delhi, the 9th August, 1974

**S.O. 2604.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to Shri Khub Chand Contractor and the management of Dalmia Dadri Cement Limited, Charkhi Dadri (Haryana) and their workmen employed in their stone quarries in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri O. P. Sharma shall be the Presiding Officer with headquarters at Faridabad and refers the said dispute for adjudication to the said Industrial Tribunal.

#### SCHEDULE

"Keeping in view the terms of clauses 2 and 8 of the conciliation settlement dated 26th February, 1972 whether the management of Dalmia Dadri Cement Limited Post Office Charkhi Dadri, District Bhiwani (Haryana) and their Contractor, Shri Khub Chand, Cement Factory Colony, Post Office Charkhi Dadri, District Bhiwani (Haryana) were justified in closing or not providing work to the labour in the quarries during the period from 2-7-1972 to 17-9-1972 (78 days) and from 21-12-72 to 4-1-1973 (15 days) and on 4-3-1972 and 27-11-1972 without paying any wages or compensation to the workers? If not to what relief are these workmen entitled and from whom?

[No. L-29011(16)/74-LR. IV]

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1974

का० आ० 2605.—यत. केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपरांत अनुसूची में विनियोगित विषयों के बारे में मैसर्स ईरकरणवास सांगी-लाल, डाकघर करंजिया, जिला सिहूमि की करंजिया और महलिया सफेद मिट्टी खानी के प्रबन्ध तत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक भौत्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यत. केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करना बाधनीय समझती है,

अतः, अब, भौत्योगिक विवाद अधिनायम, 1947 (1947 का 14) की द्वारा 7क और 10 की उपधारा (1) के अंडे (ए) द्वारा प्रदत्त शर्मितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक भौत्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीछसी अधिकारी श्री आ० पी० शर्मा होगे, जिनका मुख्यालय फरीदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त भौत्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

प्रतः, प्रब, ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के प्रधीन गठित केन्द्रीय मन्त्रकार ग्रौथोगिक अधिकरण (संलग्न 3), घनवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

### अनुसूची

भाखिल भारतीय ग्रौसन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में हुई तेज वृद्धि को दृष्टि में रखते हुए, क्या सावा भिट्ठी खान और संबंधित उद्योग मजदूर संघ द्वारा मैसर्स हरकरणदाम मालीलाल, डाकघर करेजिया, जिला सिंहभूमि की करेजिया और माहुलिया सफेद भिट्ठी खानों में नियोजित घमगेरों, वर्जियों अमुखल भजदूरों और लोहारों की भजदूरी धरों में वृद्धि की मांग करना आवश्यक है? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार है?

[संख्या एल-29011/71/73-एल० आर०-4]

### ORDER

New Delhi, the 27th August, 1974

**S.O. 2605.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Karanja and Mahuldia White Clay Mines of Messrs Harkarandas Mangilall, Post Office Karanja, District Singhbhum and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 3), Dhanbad, constituted under section 7A of the said Act.

### SCHEDULE

Keeping in view the steep rise in All India Average Consumers Price Index number whether the Sada Mitti Khan Aung Sambandhit Udyog Mazdoor Sangh is justified in demanding an increment in wage rates of baggers, tailors, unskilled Mazdoor and Blacksmiths employed at Karanja and Mahuldia White Clay Mines of Messrs Harkarandas Mangilall, Post Office Karanja, District Singhbhum If so, to what relief are the workmen concerned entitled?

[No. L-29011/71/73-LR. IV]

पर्दि विल्सो, 31 अगस्त, 1974

### प्रादेश

**का० मा० 2606**—प्रतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उप-वड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स रंगटा माईस (ग्रावेट) लिमिटेड डाकघर बाराजाम्बा, जिला सिंहभूमि की चाटकुरी, माहुल और माइन के थेकेदार मैसर्स ईस्टर्न जोन सिडीकेट, से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है;

प्रौदर प्रतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

प्रतः प्रब ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के प्रधीन गठित ग्रौथोगिक अधिकरण मुम्हई को आयनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

### अनुसूची

क्या आवश्यक वस्तुओं की किमतों प्रौदर भाखिल भारतीय ग्रौसन उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में वृद्धि को व्यापार में रखने हुए मैसर्स रंगटा माईस (ग्रावेट) लिमिटेड डाकघर बाराजाम्बा, जिला सिंहभूमि की चाटकुरी माहुल और माइन के थेकेदार मैसर्स ईस्टर्न जोन सिडीकेट, के अधिकारों की उनकी मूल मजदूरी, उनके मंहगाई भर्ते ग्रौदर परिवर्ती मंहगाई भर्ते में वृद्धि भेत्र मांग स्वायंचित है? यदि हाँ, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के ग्रौदर किस तारीख से हकदार हैं?

[संख्या एल० -26011(5)/74-एल० आर०-4]

### ORDER

New Delhi, the 31st August, 1974

**S.O. 2606.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to M/s. Eastern Zone Syndicate Contractors of Ghatkuri Iron Mine of Messrs Rungta Mines (Private) Limited, post Office Barajamda, District Singhbhum, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal (No. 1) Dhanbad Constituted under section 7A of the said Act.

### SCHEDULE

Keeping in view the rise in prices of essential commodities and the All India Average Consumers price Index Number whether the demand if the workers of Messrs Eastern Zone Syndicate Contractors of Ghatkuri Iron Ore Mine of Messrs Rungta Mines (Private) Limited, Post Office Barajamda, District Singhbhum for increase in their basic wage, Dearness Allowance and Variable Dearness Allowance is justified? If so to what relief are the workers concerned entitled and from what date?

[No. L-26011/5/74-LR. IV]

### प्रादेश

पर्दि विल्सो, 7 सितम्बर, 1974

**का० मा० 2607**—प्रतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में इलाहाबाद बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है।

ग्रौदर यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांछनीय समझती है;

प्रतः, प्रब, ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (प) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के प्रधीन गठित ग्रौथोगिक अधिकरण मुम्हई को आयनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या ईलाहाबाद बैंक के प्रबन्धतंत्र की अपनी चन्दपुर शाखा (महाराष्ट्र राज्य) के रोकड़िया की शेवराव वापुराव मवाले की सेवाएँ समाप्त करने की कार्रवाई न्योचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुतोष का हक्कादार है?

[सं.एन. 12012/46/74-एन. आर-3]

New Delhi, the 7th September, 1974

**S.O. 2607.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government Considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Industrial Tribunal, Bombay constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDEULE

Whether the action of the management of Allahabad Bank in Mawale terminating the services of Shri Sheshrao Banwrao Cashier at their Chandrapur Branch (Maharashtra State) is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L. 12012/46/74/LR-III]

**का आ० 2608.—यतः** केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषय के बारे में मेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है?

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चांडीचीय समझती है?

यतः ग्रब ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (३) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित ग्रौथोगिक अधिकरण दिलवी को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या मेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबन्धतंत्र की, श्री युधिष्ठिर सहायक रोकड़िया की सेवाएँ 29 मई, 1969 से समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो अहं किह अनुतोष का हक्कादार है?

[सं. 23/124/69/एन. आर-3]

**S.O. 2608.—**Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

79GI/74-5

And whereas the Central Government Considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDEULE

Whether the action of the management of Central Bank of India in terminating the services of Shri Yudhishtir, Assistant Cashier with effect from the 29th May, 1968 is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. 23/124/69/LR III]

**का आ० 2609—यतः** केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, फलोदी पत्थर खान सवाई माधोपुर के प्रबन्ध तन्त्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रौथोगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चांडीचीय समझती है;

यतः ग्रब ग्रौथोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (३) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार ग्रौथोगिक अधिकरण, जबलपुर को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

## अनुसूची

क्या मैसर्स जयपुर उद्योग लिमिटेड, फलोदी पत्थर खान, जिसा सवाई माधोपुर के प्रबन्धतन्त्र की, श्री सुरेन्द्र सिंह ग्रोबरसियर को द्वितीय सीमेंट मजदूरी बोर्ड की सिफारिशों के अनुसार श्रेणी VI में पवारति से बंदित करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हक्कादार है?

[सं. एन. 290/12/15/74-एन. आर-4]

**S.O. 2609.—**Whereas the Central Government is of opinion that an Industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Jaipur Udyog Limited, Phalodi Quarry, Sawaimadhopur, and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

## SCHEDEULE

Whether the action of the management of Messrs Jaipur Udyob Limited, Phalodi Quarry, District Sawaimadhopur in denying promotion to Shri Surendra Singh Overseer to Grade VI as per the Second Cement Wage Board Recommendations is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

[No. L-29012/15/74-LR. IV]

नई विल्ली, 11 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2610—**यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपचार अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पजाब को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांधनीय समझती है।

**अनु० प्रब० श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947** (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (न) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक श्रीधोगिक प्रधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री एच० प्रार० सोधी होंगे जिनका मुख्यालय चंडीगढ़ में होगा, और उक्त विवाद को उक्त श्रीधोगिक प्रधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

यह पंजाब को-आपरेटिव बैंक लिमिटेड, के प्रबन्धतंत्र की ठाकुर दुर्गादास को 17 जून, 1943 से 9 सितम्बर, 1950 तक को प्रबन्धि के लिए उपचान प्राप्ति के फायदे न देने की कार्रवाई न्यायोक्तिः है। यदि नहीं, तो वह किस अनुसूची के हक्कावार हैं?

[सं० एल० 12012/30/73-एल०प्रार०-3]

New Delhi, the 11th September, 1974

**S.O. 2610.—**Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Punjab Co-operative Bank Limited and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri H. R. Sodhi shall be Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Punjab Co-operative Bank Limited in denying the benefits of gratuity etc. for the period from the 17th June, 1943 to 9th September, 1950 to Thakur Durga Das is justified? If not, to what relief is he entitled?

[No. L. 12012/30/73/LR III]

**का० प्रा० 2611—**यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपचार अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांधनीय समझती है,

अतः, अब, श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक श्रीधोगिक प्रधिकरण गठित करती है जिसके पीछासीन प्रधिकारी श्री एच० प्रार० सोधी होंगे जिनका मुख्यालय चंडीगढ़ में होगा, और उक्त विवाद को उक्त श्रीधोगिक प्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

#### अनुसूची

यह सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया, चंडीगढ़ के प्रबन्धतंत्र की, बैंक की जग-रांग शाखा के श्री सी० एल० चोपड़ा को 25 जनवरी, 1969 से प्रशान्त राकड़िया न मानने की कार्रवाई भेद-भाव का कार्य और अनुचित अम-व्यवहार है? यदि हाँ, तो वह किस अनुसूची के हक्कावार है?

[सं० एल० 12012/106/73/एल०प्रार०-3]

**S.O. 2611.—**Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which H. R. Sodhi shall be the Presiding Officer, with headquarters at Chandigarh and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

Whether the action of the management of Central Bank of India, Chandigarh in not treating Shri C. L. Chopra of Jagraon branch of the Bank as Head Cashier with effect from the 25th January, 1969 is an act of discrimination and unfair labour practice? If so, to what relief is he entitled?

[No. L. 12012/106/73/LR III]

नई विल्ली, 12 सितम्बर, 1974

**का० प्रा० 2612—**यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपचार अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में फर्ट नेशनल मिटी बैंक, नई विल्ली से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रीधोगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना बांधनीय समझती है,

अतः, अब, श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 4) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रधिनियम की धारा 7क के अधीन गठित श्रीधोगिक प्रधिकरण विल्ली को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनसुची

श्या मैसर्स फ़ल्टन नेशनल सिटि बैंक, नई दिल्ली के प्रबंधतांत्रिकी, श्री विपिन कुमार शर्मा, लिपिक-एवं-टंकक की सेवाओं को 21 भार्ष, 1974 से, समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो वह किस अनुसोध का इक्वार है?

[ਸੰ. ਐਲ. 12012/58/74-ਐਲ. ਅਰਿ. 3]

New Delhi, the 12th September, 1974

**S.O. 2612.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the First National City Bank, New Delhi and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Delhi constituted under Section 7A of the said Act.

## SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs First National City Bank, New Delhi in terminating the services of Shri Vipin Kumar Shrama, Clerk-Cum-Typist, with effect from the 21st March, 1974 is justified ? If not to what relief is he entitled ?

[No. L 12012/58/74/LR III]

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1974

का० आ० 2613—यथा काण्डला स्टेंडर्ड एसोसिएशन लिमि-  
टेड, काण्डला के प्रबन्धतात्र से मम्बद्ध नियोजको और उनके कर्मकारों,  
जिनका प्रतिनिधित्व परिवहन और डॉक श्रमिक यूनियन, न्यू काण्डला  
करनी है, के बीच एक श्रद्धोग्गिक विचाद विचारान है;

और यह, उक्त नियोजकां और उक्त यूनियन ने श्रीशोगिक विद्याव प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10फ की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसरण में एक लिखित करार द्वारा उक्त विद्याव को उसमे वर्णित व्यक्ति के माध्यस्थम के लिए निर्दिष्ट करने का करार कर दिया है और उक्त माध्यस्थम करार की एक प्रति केन्द्रीय सरकार को भेजी गई है और वह, उक्त धारा की उपधारा (3) के उपबन्धों के अधीन, भारत सरकार के अन मन्त्रालय के ग्रांटिंग सम्बन्ध प्रल-390-13/1/73-पी० पृष्ठ डी०/सी०एम०टी०, (i) विनाक 19 मिन्स्ट्र, 1974 में, भारत के राजपत्र, तारीख 5 अप्रैल, 1974 के भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (ii) मे प्रकाशित हो सका है;

प्रीर, यतः, केन्द्रीय सरकार का समाधान शो गया है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति प्रधानमंत्री के बहुमत का प्रतिनिधित्व करते हैं,

अतः, अब, श्रौद्धोगिक विवाह (केन्द्रीय नियम), 1957 के नियम 8के साथ पठिन उक्त धारा की उप-धारा (उक) के उपबन्धों के प्रत्युत्तरण में, केन्द्रीय सरकार एनदब्ल्यूआरा उन नियोजकों और कांस्टिट्यूटों, जो उक्त माध्यस्थम् कागर में पक्षकार नहीं हैं, किन्तु जो उक्त विवाद से मन्दनिधि हैं, की जानकारी के लिए श्रधासुचित करती है कि उक्त निर्देश करने वाले व्यक्ति प्रत्येक पक्ष के शक्तिमत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

[ग० ग्रन०-39013/1/73-पी०एण्ड छी० सी एम टी (ii)]

New Delhi, the 19th September, 1974

**S.O. 2613.**—Whereas an Industrial dispute exists between, the employers in relation to the management of Kandla Stevedores Association Limited, Kandla and their workmen as represented by Transport and Dock Workers, Union, new Kandla :—

And, whereas, the said employers and the said union have, by a written agreement in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration of the person mentioned therein, and a copy of the said arbitration agreement has been forwarded to the Central Government and the same has been published, under the provisions of sub-section (3) of the said section with the order of the Government of India in the Ministry of Labour No. L. 39013/1/73-P & D/CMT (i) dated the 19th September, 1974 published in part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 5th October, 1974 :—

And, whereas, the Central Government is satisfied that the persons making the said reference represent the majority of the party;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (3A) of the said section, read with rule 8A of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957, the Central Government hereby notifies for the information of the employers and workmen who are not parties to the said arbitration agreement but who are concerned with the said dispute, that the persons making the said reference represented the majority of each party.

[No. L-39013/1/73-P&D/CMT(ii)]

का० अर० 2614।—यह काण्डला स्टेंचोर्स एसोसिएशन लि० के प्रबन्धनतत्व से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, जिनका प्रभिन्निधित्व परिवहन तथा आक श्रमिक यूनियन, काण्डला करती है, एक ग्रोवोरिंग विवाद विद्यमान है;

और यह उक्त नियोजकों और कर्मकारों ने श्रीधोगिक विदाव अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10क की उपधारा (1) के अधीन एक लिखित करार द्वारा उक्त विदाव को उसमें वर्णित अक्ति के माध्यस्थम् के लिए निर्देशित करने का करार कर लिया है और उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अधीन उक्त माध्यस्थम् करार की एक प्रति केन्द्रीय भरकार को भेजी है;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 10क की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार उक्त करार को, जो उसे 12 सितम्बर 1974 को मिला था, पातंजलारा प्रकाशित करती है।

करार

(ग्रौद्याग्रिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10क के अधीन)

के बीच

नियोजको का प्रतिनिधित्व करने वाले : काण्डला स्टेबेसोर्म एसोसिएशन सिमि-  
ट्रेइ, काण्डला।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले। परिवहन तथा इॱक भूमिका यूनियन, काण्डा।

पक्षकारों के बीच करार फिया गया है कि निम्नलिखित औद्योगिक विद्यालयों को श्री टी० एम० शक्तरन, संयुक्त मणिचं, श्रम मत्रालय, श्रम शक्ति भवन, रफी मार्ग, नई दिल्ली के माध्यस्थ्यम् के लिए निर्देशित किया जाये।

(i) विनिर्दिष्ट विवाद प्रस्त विषय—पत्तन और डॉक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की रिपोर्ट, जस पर किए गए सरकारी नियंत्रण, और मन्त्र सम्बन्धित विषयों, अधिकार सारतीय पत्तन और डॉक कर्मकार फेझरेशन द्वारा उठाई गई मांगों और इन पर आगे किए गए विचार—विषयों के सत्वर्थ में, महापत्तनों के पत्तन और डॉक कर्मकारों से सम्बन्धित निम्नलिखित विवादप्रस्त विषयों को ग्रौषोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 के अधीन माध्यस्थम् के लिए, गुणवौष के आधार पर निर्णयर्थ निर्देशित किये जाने का करार किया गया है—

- (1) क्या भर्यसाहाय्य प्राप्त ग्रौषोगिक आवास योजना में भर्य साहाय्य के तत्व और भर्य सुरंगत जारणों को व्यान में रखते हुए मानक मकानों के किराये की वसूली को सरकार द्वारा प्रस्तावित दरों को, भर्यात् जहाँ मूल वेतन 200 रुपये प्रति माह से कम है, वहाँ मूल वेतन का (परन्तु नगर प्रतिकर भत्ते का नहीं) 7½ प्रतिशत और जहाँ वह 200 रुपये प्रतिमाह या उससे अधिक है, वहाँ मूल वेतन (परन्तु नगर प्रतिकर भत्ते का नहीं) का 10 प्रतिशत, घटाया जाना चाहिए और यदि हाँ, तो किस सीमा तक?
- (2) क्या महापत्तनों के पत्तन और डॉक कर्मकारों के लिए केन्द्रीय मजदूरी बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर सरकार द्वारा स्वीकृत सशोधित वेतन-मानों में वेतन के निर्धारण के विषय में, मजदूरी बोर्ड की सिफारिश के अनुसार सरकार प्राग भजूर की गई 11 80 रुपये प्रति माह की अतिरिक्त सहायता या उसके भाग को व्यान में रखा जाना चाहिए?
- (3) क्या मकान किराया भत्ते और नगर प्रतिकर भत्ते के प्रयोजन के लिए, महगाई भत्ते (अतिरिक्त महगाई भत्ते सहित) और समय-समय पर महगाई भत्ते में की गई बढ़ियों को अतिरिक्त सहायता या पूर्णत वेतन के रूप में माना जाना चाहिए?

(ii) विवाद के पक्षकारों का विवरण

- (1) काण्डला स्टेवेडोर्स एसोसिएशन लिमिटेड, कमरान० 10, क्लॉरिंग एजेंट्स बिल्डिंग, न्यू काण्डला।
- (2) परिवहन और डॉक अभिक यूनियन, 26, मेवालाल मार्केट, न्यू काण्डला।
- (iii) यूनियन का नाम  
परिवहन और डॉक अभिक यूनियन, 26 मेवालाल मार्केट, न्यू काण्डला।
- (iv) प्रभावित उपक्रम में नियोजित कर्मकारों की कुल संख्या  
लगभग 449
- (v) विवाद द्वारा प्रभावित या सम्भाव्यत प्रभावित होने वाले कर्मकारों की प्राक्कलित संख्या  
लगभग 449

मध्यस्थ अपमा पब्लिक टीन मास की कालावधि या हत्तेन और समय के भीतर जो हमारे श्रीम पारम्परिक सिविल करार द्वारा बढ़ाया जाये, देगा।

उपर्युक्त ग्रौषोगिक विवाद को श्री ३० टी० जान्म, पीठासीन अधिकारी, केन्द्रीय सरकार ग्रौषोगिक अधिकारी, केन्द्रीय सरकार ग्रौषोगिक अधिकारी, एंड-अम न्यायलय संख्या 2, औची मजिल, सिटी ग्राइस शिल्टिंग, 298,

बाजार गेट स्ट्रीट, फोटे, बम्बई को निर्देशित करने सम्बन्धी पिछला कर्गा, जो हमने किया था और जिसे भारत सरकार के अम और पुर्वांस मकालय (अम और रोजगार विभाग) ने अपने आदेश संख्या एस-३९०१३/१/७३-पी० एण्ड टी० (vii), विनाक 12 ७-१९७३ के रूप में भारत राजपत्र, भाग 2, खण्ड ३, उपखण्ड (ii), विनाक 28-७-१९७३ में प्रकाशित किया गया था, पत्रद्वारा रद्द किया जाता है।

पक्षकारों के हस्ताक्षर

नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/- आर० एन० राव  
ग्रौषोगिक

काण्डला स्टेवेडोर्स एसोसिएशन लिमिटेड,  
काण्डला।

कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले

ह०/- एम० जी० कोतवाल  
ग्रौषोगिक

परिवहन और डॉक कर्मकार यूनियन,  
काण्डला।

साक्षी

(1) ह०/ पी० एम० गुप्ते,  
उपाध्यक्ष,  
काण्डला डॉक अम बोर्ड।

(2) ह०/क०पी० साहनी  
सहायक सचिव  
काण्डला डॉक अम बोर्ड।

जी० सी० मक्सेना  
मवर सचिव

[संख्या एस-३९०१३/१/७३ पी० एण्ड टी०/सी० ए०मटी)

**S.O. 2614.**—Whereas an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Kandla Stevedores Association Ltd., and their workmen as represented by the Transport and Dock Workers Union, Kandla,

And, whereas, the said employers and their workmen have by a written agreement under sub-section (1) of section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), agreed to refer the said dispute to arbitration and have forward to the Central Government, under sub-section (3) of section 10A of the said Act, a copy of the said arbitration agreement,

Now, therefore, in pursuance of sub-section (3) of section 10A of the said Act, the Central Government hereby publishes the said agreement which was received by it on the 12th September, 1974

AGREEMENT OF UNDER SECTION 10A OF THE INDUSTRIAL DISPUTES ACT, 1947

Between

Representing Employers Kandla Stevedores Association Limited, Kandla

Representing Workmen —The Transport & Dock workers Union Kandla

It is hereby agreed between the parties to refer the following industrial dispute to the arbitration of Shri T. S. Sankaran, Joint Secretary, Ministry of Labour Sharam Shakti Bhavan, Rafi Marg, New Delhi.

(i) Specific matters in dispute—In the context of the report of the Central Wage Board for Port & Dock Workers, the decisions of the Government thereon and other related matters, the demands raised by the All India Port & Dock Workers Federation and the further discussions held on these, the following matters in dispute relating to Port & Dock Workers of the Major Ports are agreed to be referred to arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 for decision on merits :—

- (1) Whether and if so to what extent the rates for recovery of rent for standard houses proposed by Government, namely, 7-1/2 per cent of basic pay (and not City Compensatory Allowance) where basic pay is less than Rs. 200/- per month and at the rate of 10 per cent of basic pay (and not CCA) if it is Rs. 200/- per month or more, should be reduced taking into account the subsidy element in the Subsidised Industrial Housing Scheme and other relevant factors.
- (2) Whether in the matter of fixation of pay in the revised scales accepted by the Government on the basis of the Central Wage Board Report for Port & Dock Workers at Major Ports, the interim relief of Rs. 11.80 per month or part thereof granted by Government as recommended by the Wage Board should be taken into account.
- (3) Whether Dearness Allowance (Including additional dearness allowance) and increases in D. A. from time to time in part of full should be treated as pay for the purpose of House Rent Allowance and Compensation Allowance ?

(ii) Details of the parties to dispute :

- (1) Kandla Stevedores' Association Limited, Room No. 10, Clearing Agent's Building, New Kandla.
- (2) The Transport & Dock Workers' Union, 26, Mewawala Market, New Kandla.

(iii) Name of the Union.

The Transport & Dock Workers Union, 26, Mewawala Market, New Kandla.

(iv) Total number of workmen employed in the undertaking affected :

449 approximately.

(v) Estimated number of workmen affected or likely to be affected by the dispute

449 approximately.

The arbitration shall make his award within a period of three months or within such further time as is extended by mutual agreement between us in writing.

The previous agreement entered into by us as published by the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India, dated 28-7-1973 vide their Order No. L-39013/1/73-P&D (vii dated 12-7-1973 to refer the above mentioned industrial dispute to the arbitration of Shri A. T. Zambric, Presiding Officer, Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2, 4th Floor, City Ice Building, 298, Bazaar-gate Street, Fort, Bombay is hereby cancelled.

Signature of the Parties.

Representing employer: Sd/-R. N. RAO, PRESIDENT, Kandla Stevedores' Association Ltd. Kandla.

Representing Workmen: Sd/-M. G. Kotwal, PRESIDENT, Transport & Dock Workers' Union, Kandla.

Witnesses:

(1) Sd/-P. M. Gupte, Deputy Chairman, Kandla Dock Labour Board.

(2) Sd/- K. P. SHAHANI, Asstt Secy, Kandla Dock Labour Board.

[No. L-39013/1/73-P&D/CMT(i)]

नई विल्ली, 23 मिनम्बर, 1974

आदेश

का० आ० 2615.—प्रति केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्वारा अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में माडर्न कारपेन्टरी वर्क, कलकत्ता के प्रबन्धतान से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यह केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करना चाहती है;

अतः ग्रब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के छण्ड (ष) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या मिस्त्रियां, बदल्यो तथा सहायकों (हेन्परो) की मजदूरी में वृद्धि की भाँग न्यायोचित है? यदि हाँ, तो किस दर पर और किन अन्य विवरणों के साथ?

[म० ए.ल 32011/5/74-पी एण्ड डी/सी एम टी]

New Delhi, the 23rd September, 1974

ORDER

S.O. 2615.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Modern Carpentry Works, Calcutta and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

"Whether the demand for increase in wages of Mistrics, Carpenters and Helpers is justified? If so, at what rate and with what other details?"

[No. L-32011/5/74-P&D/CMT]

का० आ० 2616—यसः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपरांत अनुसूची में विनिकिष्ट विषयों के बारे में कान्टिनेन्टल कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और यह: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहती है;

भ्रतः, भ्रष्ट, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10- की उपधारा (1) के अनुरूप (ध) द्वारा प्रबन्ध याकियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक श्रौद्धोगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री पी० एम० अनन्य होगे जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा, और उक्त विवाद को उक्त श्रौद्धोगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या कान्टिनेन्टल कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम् के कर्मकारों की लेब्बा वर्ष 1972 के लिए बोनस की मांग करना न्यायोचित है? यदि हाँ तो किस दर पर?

[म० ए० 34011/6/74-पी० ए० डी०/सी० ए० टी०]

**S.O. 2616.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Continental Construction Private Limited and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed.

And, whereas, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri P. S. Ananth shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of the Continental Construction Private Limited, Visakhapatnam for grant of bonus for the accounting year 1972 is justified? If so, at what rate?"

[No. L-34011/6/74-P&D/CMT]

New Delhi, the 25th September, 1974

**S.O. 2617.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bhubaneswar, in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs J. K. and K. P. Jhunjhunwala, care of Orissa Industries Limited, Lathikata Rourkela-1 owners of Bholamal Fireclay Mines, P.O. Belpahar and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th September, 1974.

#### INDUSTRIAL TRIBUNAL : BHUBANESWAR

PRESENT :  
Shri L. Mallick, B.L.,  
Presiding Officer  
Industrial Tribunal,  
Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 7 OF 1973 (CENTRAL)

Bhubaneswar, the 6th September, 1974

#### BETWEEN

The employers in relation to Messrs J. K. and K. P. Jhunjhunwala, care of Orissa Industries Limited, Lathikata, Rourkela-4, owner of Bholamal Fireclay Mines, Post Office Belpahar First Party

#### AND

Their Workmen- Second Party  
APPEARANCE :

None—for the first party

None—for the Second party

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred by section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 have, by their order no. L-29011/45/73 dated 28-11-73 referred the following schedule of dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of Messrs J. K. and K. P. Jhunjhunwala C/o Orissa Industries Limited, Lathikata, Post Office Rourkela-4 owner of Bholamal Fireclay Mines, Post Office Belpahar, in refusing employment to workmen at Bholamal Fireclay Mines during the period from the 8th January, 1973 to 4th April, 1973 was justified? If not, to what relief are the workmen entitled?

2. The case of the first party, in substance, is as follows:—

That the management has got two mines which are worked out through independent contractors. The labour force employed by the contractors in both the mines suddenly struck work and created untoward incidents resulting in complete paralysis of the mines of the first party. That the workmen concerned in the dispute are not the employees of the first party but they are employees of the independent contractors. The reference is incompetent since the contractors, who are the employers of the workmen, have not been made parties. There was no question of the first party refusing employment to the workers. The workmen never made any demand before the first party and as such, there is no industrial dispute.

3. The case of the second party as averred in their written statement, in short, is as follows:—

That the mines of the company are run departmentally and the workers are paid their wages directly by the company. On 8-1-73, the company asked the workers not to work unless they agreed to work under contractors. Since the workers resented and did not like to work under contractors, the management did not allow the workers to continue work and the workers were thus laid off from 8th January 1973 to 5th April 1973. The workers resumed their work on 5-4-73 when they were allowed to work under the management and were promised to pay wages for the period they were laid off.

4. Though a lot of opportunities were given to both parties to appear for hearing, they did not turn up and as such, I feel that no dispute exists between the parties. Therefore, no dispute award is passed.

[No. L-29011/45/73-DR IV]  
L. MALLICK, Presiding Officer

**S.O. 2618.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bhubaneswar in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Daitari Iron Ore Mines of the Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th September 1974.

### INDUSTRIAL TRIBUNAL : BHUBANESHWAR

Present:

Shri L. Mallick, B.L.,  
Presiding Officer,  
Industrial Tribunal,  
Bhubaneswar.

INDUSTRIAL DISPUTE CASE NO. 5 OF 1973 (CENTRAL)

Bhubaneswar, the 6th September, 1974

#### BETWEEN

The employers in relation to management of Daitari Iron Ore Mines of the Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar.

AND

First Party	
Second Party	

Their workmen

APPEARANCES :

None—for the first party

None—for the second party

#### AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation, in exercise of the powers conferred by section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the Act) have, by their order no. L-26011/11/72 dated 12-10-1973, referred the following schedule of dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the demand of the Daitari Iron Ore Mines Labour Union for revision of the wage structure of the workmen of the Daitari Iron Ore Mines of the Orissa Mining Corporation Limited, with effect from 1st January, 1967, is justified? If so, to what relief the workmen are entitled?"

2. The case of the second party, in substance, is that though the prices of food articles and other essential commodities are very high and the workers are made to work under strenuous condition, they are paid very low wages as compared to other similar concerns in the area. They are not given other facilities, such as, water, reimbursement of the cost of medicines etc. The second party union prays for higher wages as given in annexures A and B along with other facilities.

3. The case of the first party management, in short, is that it has implemented some of the recommendations of the Wage Board within the limits of its resources regarding weekly paid workmen taking in view the exigencies of the situation. That in view of the financial position of the company, which has sustained heavy loss from 1967 onwards, it has not been possible to implement all the recommendations of the Wage Board extending to all categories of employees. The services of these workers being transferable from one mine to another, it is not possible to adopt different scales of pay for its different mines. That the overall financial position of the Corporation does not permit giving higher wages to its employees since they have been enjoying the fringe benefits, such as, rent free accommodation, supply of rice at concessional rate, supply of kerosene oil etc.

4. On the date of hearing after several adjournments, both parties did not turn up. From their failure to appear before the Tribunal on the date of hearing it seems no dispute exists between the parties now and as such, no dispute award as to be passed. Accordingly, no dispute award is passed.

[No. L-26011/11/72/LR IV]

L. MALLICK, Presiding Officer

नई दिल्ली, 25 मितम्बर, 1974

का० आ० 2619.—यह केन्द्रीय सरकार की गय है कि इससे उपायद्वारा प्रभुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में कांटिनेटल कंस्ट्रक्शन (प्राइवेट) लिमिटेड, विशाखापत्तनम के प्रबन्धनालय से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक ग्रीष्मोगिक विवाद विद्यमान है;

और यह: केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अब, अब, ग्रीष्मोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बंड (घ) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एक ग्रीष्मोगिक प्रधिकरण गठित करती है, जिसके पीठेसीन प्रधिकारी श्री टी० नरसिंह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त प्रधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

भनुसूची

"क्या कांटिनेटल कंस्ट्रक्शन (प्राइवेट) लिमिटेड, विशाखापत्तनम को, श्री एस० कनेया, खलासी, कर्मशाला भन्धार को 7 फरवरी, 1974 से सेवा से पदच्युत करने की कार्रवाई न्यायोंचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार जिस भनुसूची का लकड़ार है?

[सं. एस०-34012/3/74-पी० टी०/सी० एम० टी०]

जी० सी० सक्षीना,  
भवर मचिव,

**S.O. 2619.**—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management and their workmen in respect (Private) Limited, Visakhapatnam and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

AND, WHEREAS, the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri T. Barsubg Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

#### SCHEDULE

"Whether the action of Continental Construction (Private) Limited, Visakhapatnam in dismissing Shri S. Kanalah, Khalasi, Workshop Section, from service with effect from 7th February, 1974 is justified? if not, to what relief is the workmen entitled?

[No. 34012/3/74-PD/CMT]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1974

**का० आ० 2620.**—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मवालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संलग्न का० आ० 1458 नारीख 9 मई, 1973 के त्रैमाही में केन्द्रीय सरकार इण्डियन एयल कार्पोरेशन लिमिटेड (मार्केटिंग डिविजन), डाकबाजार आरामपुर, कानपुर को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 4 अप्रैल, 1974 से 3 अप्रैल, 1975 तक, और इस दिन को सम्मिलित करके, और एक अर्थ की अवधि के लिए लूट देती है।

[सं० ए० 38017/8/74-पौ.आई०]

New Delhi, the 20th September, 1974

**S.O. 2620.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employee's State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1458 dated the 9th May, 1973 the Central Government hereby exempts the Indian Oil Corporation Limited (Marketing Division) Post Office Arampore, Kanpur from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 4th April, 1974 upto and inclusive of the 3rd April, 1975.

[No. S. 38017/8/74-HI]

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1974

**का० आ० 2621.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री ए० आ० वेसाई को उक्त अधिनियम, स्कीम और उसके प्रधीन विवरित कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के संबंध में या किसी रेल कंपनी, महापत्तन, खान या तेल कंपनी या नियंत्रित उद्योग से संबंधित किसी स्थापन के संबंध में या किसी ऐसे स्थापन के संबंध में जिसके एक से प्राक्तिक राज्य में विभाग या शाखाएँ हैं, सम्पूर्ण महाराष्ट्र राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० ए० 12016(3)/74-प० नि० I]

New Delhi, the 21st September, 1974

**S.O. 2621.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby appoints Shri N. R. Desai to be an Inspector for the whole of the State of Maharashtra for the purposes of the said Act and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(3)/74-PF.I]

**का० आ० 2622.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टमिलनाडु क्रिस्चन कॉमिल, प्रोग्राम, आफिम रेम कोस रोड, ओरुल क्रिस्चन कॉलेज होस्टल कार बूमैन, युहन्डी, मद्रास-32 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस भान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः यह अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा अन्तर्भूत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35019/113/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2622.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Tamilnad Christian Council, Programme Office Race Course Road, Old Christian College Hostel for Women, Guindy, Madras-32 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1973.

[No. S. 35019/113/73-PF.II]

**का० आ० 2623.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स रोबिन्सन फ्रेरे एयर इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, कम्बटा बिलिंग थाई फलोर, कर्वे रोड, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः यह अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के अक्टूबर के इकलीम्य दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35018(34)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2623.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Robinson Frere of India Private Limited, Cambatta Building 3rd Floor Karva Road, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1973.

[No. S. 35018(34)/74-PF.III]

**का० आ० 2624.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टेक्नो इंस्ट्रूमेंट्स इन्को०, प्लॉयर लाइस होटल बिलिंग-199, चर्च गेट रिक्सोंमेशन मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अत, यह उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपायारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के ग्रन्थ के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मा. एम. 35016(35)/74-पी० एफ० 1]

**S.O. 2624.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Techno Instruments Inc. Airlines Hotel Building, 199 Churchgate Ricolamation Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1973

[No. S. 35018(35)/74-PF.II]

**का० आ० 2625.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेमर्स नाटेशन एजेंसीज, का नीडूरीयी, जिला नियोजनेच, नमिताहु नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की तुल्य हम बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी सभिया नियिं ओर कुट्टन पेशन नियिं अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपायारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मा. एम. 35019 (54)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2625.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Natesan Agencies, Kallidai Kunichi, District Thenmala, Tamil Nadu have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1973.

[No. S. 35019(54)/74-PF.II]

**का० आ० 2626.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेमर्स डॉ० करन्यून फार्मी केमिकल इडस्ट्री, बी 11, इडिस्ट्रियल एस्टेट, सन्न नगर, हैदराबाद-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वढ़मरण इप बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी सभिया नियिं ओर कुट्टन पेशन नियिं अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

यह अधिसूचना 1973 के ग्रन्थ के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

यह अधिसूचना 1972 के ग्रन्थ के दूसरीमवे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मा. एम. 35019(46)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2526.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vasant Krishnaji Godse and Brothers, Byculla Bazar Bombay-27 have agreed that the provisions of the Employee's Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now the force in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1972

[No. S. 35018(46)/74-PF.II]

**का० आ० 2627.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेमर्स श्री गणेश मिल्स, पावरलूम फैक्ट्री, शकर नानूर, वरास्ता कुथुपुरम्बा, तेलिकेरी नलुगा कान्नानोर जिला, केरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वढ़सराया इस तात पा लापत हो गई है कि कर्मचारी सभिय नियिं और कुट्टन पेशन नियिं अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन दो लागू किए जाने चाहिए,

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपायारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के दिसम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मा. एम. 35019(28)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2627.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sriganesh Mills, Powerloom Factory, Sarkaranalloor, Via-Kuthupuramba, Tellichery Taluk, Cannanore District, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1973.

[No. S. 35019(28)/74-PF. III]

**का० आ० 2628.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेमर्स डॉ० करन्यून फार्मी केमिकल इडस्ट्री, बी 11, इडिस्ट्रियल एस्टेट, सन्न नगर, हैदराबाद-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वढ़मरण इप बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी सभिय नियिं और कुट्टन पेशन नियिं अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपायारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के ग्रन्थ के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मा. एम. 35019(36)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2628.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dr. Karanth's Pharma Chemical Industry, B 11-Industrial Estate, Santnagar, Hyderabad-18 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1973.

[No. S. 35019(36)/74-PF. II]

**का० आ० 2629.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स लूमी ट्रेलर्स, 52-एग बाजार रुडीट, थिमंगलम, जिला मदुराई, जिसमे इकाई (1) 25-नामिल संगम रोड, मंदुराई (2) 29-पुण्डनर अम्मालकोई स्ट्रीट, गुडियालम स्थित शाक्तार्य भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

गतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के मिलम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019(84)/73-भ० नि० 2]

**S.O. 2629.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Susce Trades, 52, Big Bazar Street, Thirumangalam, District Madurai including its branches at (1) 25, Tamil Sangam Road, Madurai (2) 29, Punganur Ammalkoie Street, Gudiyatam have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1972.

[No. S. 35019(84)/73-PF.II]

**का० आ० 2630.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स इंडियन बैंड वायर एंड वायर प्राइवेट, 8571-गार्ड्रप्रति रोड, सिकन्दराबाद-3 (आन्ध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के मिलम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019(96)/73-भ० नि० 2]

**S.O. 2630.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Barbed Wire and Wire Products, 8571, Rashtrapati Road, Secunderabad-3 (Andhra Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1972.

[No. S. 35019(86)/73-PF.III]

**का० आ० 2631.**—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रवन्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व थम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2641 तारीख 7 सितम्बर, 1973 के त्रै में केन्द्रीय सरकार इंडियन ब्रायल कारपोरेशन, लिमिटेड के बज बज संस्थापन और पहारपुर संस्थापन को उक्त अधिनियम के प्रवत्तन से 16 अगस्त, 1974 से 15 अगस्त, 1975 तक, जिसमे यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की ओर अवधि के सिए छठे देती है।

[मं० एस० 38017/2/73-एच०आई०]

**S.O. 2631.**—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2641, dated the 7th September, 1973 the Central Government hereby exempts the Budge Budge Installation and Paharpur Installation belonging to the Indian Oil Corporation, Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 16th August, 1974 upto and inclusive of the 15th August, 1975.

[No. S-38017/2/73-HI]

**का० आ० 2632.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स आन्ध्र विष्णुत इंस्ट्रीज, सी-23, इंस्ट्रीजल स्ट्रीट, मनतनगर, हैदराबाद-18 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

गतः, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मिलम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019(177)/73-भ० नि०]

**S.O. 2632.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Andhra Vidyal Industries, C-23, Industrial Estate, Sanatnagar, Hyderabad-18 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1973.

[No. S. 35019(177)/73-PF. II]

**का० आ० 2633.—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टाइल्स एण्ड मार्बल्स, 1-ए, विशप बाल्टर्स ऐवेन्यू माउथ, पोस्ट बाक्स नं० 625, मद्रास-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एस० 35019(90)/73-पी० एफ० 2 (i)]

**S.O. 2633.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Tiles and Marble, 1-A, Bishop Wallers Avenue South, Post Box No. 625, Madras-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(90)/73-PF. II(i)]

**का० आ० 2634.—**कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् टाइल्स एण्ड मार्बल्स, 1-ए, विशप बाल्टर्स साउथ ऐवेन्यू, पोस्ट बाक्स नं० 625, मद्रास-4 नामक स्थापन की 1973 की अप्रैल के प्रथम दिन से उक्त परन्तुक के प्रयोगनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[म० एस० 35019(90)/73-पी० एफ० 2 (ii)]

**S.O. 2634.—**In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1973 the establishment known as Messrs. Tiles and Marble, 1-A Bishop Wallers Avenue South, Post Box No. 625, Madras-4 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(90)/73-PF. II(ii)]

**का० आ० 2635.—**कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुर्वार्थ मंत्रालय (श्रम और गोपन्यार विभाग) की अधिसूचना स० का० आ० 4161, तारीख 5 दिसम्बर, 1972 को जहाँ तक इसका सबध श्री पी गोविंदस्थामी से हैं, अधिकान्त करते हुए केन्द्रीय सरकार श्री

पी० गोविंदस्थामी को उक्त अधिनियम और उक्ते अधीन विरचित कुटुम्ब पेशन स्कीम के प्रयोगनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उसके नियंत्रणाधीन किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी रेन रम्पनी, भूतपूर्व, बान या नेल थेट्र या तिपत्रिन उदाग भूमिकाएँ किसी स्थापन के सम्बन्ध में या किसी ऐसे स्थापन के सम्बन्ध में, जिसकी एक भूमिका राज्यों में विभाग या जाबाहौं है समूर्ण आध्र प्रदेश राज्य के लिए निरीक्षक नियुक्त हरती है।

[म० ए० 12016(7)/74-पी० एफ०-1]

**S.O. 2635.—**In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in supersession of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 4161, dated the 5th December, 1972, in so far as it relates to Shri P. Govindaswamy, the Central Government hereby appoints Shri P. Govindaswamy to be an Inspector for the purposes of the said Act, and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A. 12016(7)/74-PF. II]

**का० आ० 2636.—**यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स एस्पी इंजीनियर्स, मूनिट स० 1, कला फैक्ट्री इंडस्ट्रियल एस्टेट कालिगांव, पू० ० रोड, दाहिसार, मुम्बई-६८, जिसमें बलना ६२-ए, पुष्पा पार्क, मलाड (पूर्णी) मुम्बई-६४ स्थित उसका कार्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोग और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत थीं गई है कि नूर्मंजीरी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 को जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एस० 35018(41)/74-पी० 2 (i)]

**S.O. 2626.—**Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Espee Engineers, Unit No. 1 Kala Silk Factory Industrial Estate, Kashigaoon, S. V. Road, Dahisar Bombay-68 including its office at Kalpana 62-A Pushpa Park Malad (East) Bombay-64 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S. 35018(41)/74-PF. II(i)]

**का० आ० 2637—**कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मेसर्स एस्पी इंजीनियर्स, मूनिट स० 1, कला सिस्टक

**फैस्टरी इंडस्ट्रियल एस्टेट,** काशीगाव, प्लॉ. दो० रोड, दाहिसार, मुम्बई-६४  
जिसमें कल्पना ६२-ए, पुष्पा पार्क, मलाड. (पूर्वी) मुम्बई-६४ स्थित उमका  
कार्यालय भी सम्मिलित है तामक स्थान को १ जनवरी, १९७४ से उक्त  
परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[मं० ए० ३५०१८(४१)/७४-भ०गि० २ (ii)]

**S.O. 2637.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January, 1974 the establishment known as Messrs Espee Engineers, Unit No. 1 Kala Silk Factory Industrial Estate, Kashinaon, S. V. Road, Dahisar, Bombay-68 including its office at Kalpana 62-A Pushpa Park, Malad (East) Bombay-64 for the purposes of the said proviso.

[No. S 35018(41)/74-PF. II(ii)]

**का० आ० 2638.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि  
मैसर्स ईश्वर लाल नगिन शास तानाघाला, खानेदा, पंजरा शेरी, सूरत तामक  
स्थापन से मम्बद्दल नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर गहमत  
हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम,  
१९५२ (१९५२ का १९) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू  
किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा १ की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्त  
शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध  
उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना १९७४ की कार्यवारी के अंतर्गत दिन को प्रवृत्त  
हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० ३५०१९(१२५)/७४-पी० एफ० २]

**S.O. 2638.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ishwarlal Nagindas Tanawala, Khatodra, Panjra Sheri, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1974.

[No. S. 35019(125)/74-PF. II]

**का० आ० 2639.**—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि  
मैसर्स तमिलनाडु टेक्नोलॉजी एंड इंजिनियरिंग, ८५, भारुण्ट रोड, मद्रास-१८  
(नियोजक अन्तर्गत उक्त कार्यालय भी आता है) तामक स्थापन से मम्बद्दल नियोजक व्याग  
कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर गहमत हो गई है कि कर्मचारी  
भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९)  
के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा १ की उपधारा (४) द्वारा  
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के  
उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना १९७३ के मित्रम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई  
समझी जाएगी।

[सं० ए० ३५०१९(१६६)/७४-पी० एफ० २]

**S.O. 2639.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Tamil Nadu Textile Corporation Limited, 85, Mount Road, Madras-18 including its Sub-office at Somasundram Mills premises, Coimbatore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1973.

[No. S. 35019(166)/73-PF. II]

नई दिल्ली, २४ मिन्हम्बर, १९७४

**का० आ० 2640.**—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९) की धारा १३ की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूत्पूर्व अम और गोपनार मंत्रालय (अम और गोपनार विभाग) द्वारा अधिसूचना सं० का० आ० १९१, नारोब्र १४ जनवरी, १९७३ के अम में, केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री० हेम चन्द्र राव को उक्त अधिनियम और अमीर और उक्तके अधीन विवरित कुटुम्ब पेंशन स्कीम के प्रयोजनों के लिए केन्द्रीय सरकार के या उनके नियन्त्रणाधीन किसी स्थान के मध्यम से या किसी देश कम्पनी, भूत्पूर्व तथा नेतृत्व वाला विविध उद्याग में मम्बद्दल किसी स्थापन के मध्यम से या किसी ऐसे स्थान के मध्यम से, जिसके एक से अधिक गाँवों में विभाग या गाँवां हों, मम्बूर्ण लकड़ोप संघ गाँव द्वारा के लिए नियोजक नियुक्त करती है।

[सं० ए० १२०१६(४)/७२-पी० एफ०-१ (ii)]

New Delhi, the 24th September, 1974

**S.O. 2640.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 491 dated 14th January, 1972, the Central Government hereby appoints Shri V. Hemachandra Rao to be an Inspector for the whole of the Union Territory of Lakshadweep for the purposes of the said Act and the Scheme and the Family Pension Scheme framed thereunder in relation to any establishment belonging to, or under the control of the Central Government or in relation to any establishment connected with a railway company, a major port, a mine or an oilfield or a controlled industry or in relation to an establishment having departments or branches in more than one State.

[No. A-12016(4)/72-PF. I(ii)]

**का० आ० 2641.**—कर्मचारी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेंशन नियम अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९) की धारा ३-ब की उपधारा (२) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूत्पूर्व अम और पुतरी अमीर मंत्रालय (अम और गोपनार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० ४०२, नारोब्र १४ जनवरी, १९७२ के अम में केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री० हेमचन्द्र राव को, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक को उक्तके कर्मचारों का नियन्त्रण करते से महायाता देते के लिए, लकड़ीप सम गाँव द्वारा के लिए भी प्रादेशिक भविष्य नियुक्त करती है।

[सं० ए० १२०१६(४)/७२-पी० एफ०-१(i)]

**S.O. 2641.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5D of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 492, dated the 14th



**S.O. 2646.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Ibrahimpatan Co-operative Land Mortgage Bank Limited, Ibrahimpatan, Andhra Pradesh have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1973.

[No. S. 35019(182)/73-PF. II]

**का० श्रा० 2647.**—यह केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मेसर्स चतुरलाल नगिंदा वास तानावाला खानोदरा, सूरत नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1974 के फरवरी के श्रावणमें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35019(126)/74-प०नि० 2]

**S.O. 2647.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs. Chaturlal Nagindas Tanawala Khatodra, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty eighth day of February, 1974.

[No. S. 35019(126)/74-PF. II]

**का० श्रा० 2648.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स ओरियेण्टल बाइंडिंग वर्क्स, 2, विधान सारणी, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करता है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसंबर के द्वितीयमें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35017(35)/71-प०नि० 2]

**S.O. 2648.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Oriental Binding Works, 2, Bidhan Sarani, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35017(35)/74-PF. II]

**का० श्रा० 2649.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स टी० मानेकलाल ए३८ मम, वासवानी मैन्सिंस, दिनशा वाड़ रोड, मुम्बई-२० नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम० 35018(44)/74-प०नि० 2(i)]

**S.O. 2649.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs. T. Maneklal and Sons, Vaswani Mansions, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S. 35018(48)/74-PF. II(i)]

**का० श्रा० 2650.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परलूक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में श्रावस्यक जाच कर लेने के पश्चात् मेसर्स टी० मानेकलाल ए३८ मम, वासवानी मैन्सिंस, दिनशा वाड़ रोड, मुम्बई-२० नामक स्थापन को 1 जून, 1973 से उक्त परलूक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[स० एम० 35018(48)/74-प०नि० 2(ii)]

**S.O. 2650.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of June, 1973 the establishment known as Messrs. T. Maneklal and sons, Vaswani Mansions, Dinshaw Vachha Road, Bombay-20, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(48)/74-PF. II(ii)]

**का० श्रा० 2651.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स कानिकेय विप्रेटर, पट्टाह विलेज-७ नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उपर्यात्तियम की धारा 1 की उपधारा 4 (द्वारा) प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

\* यह अधिसूचना 1973 के नवम्बर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० ए० 35019(162)/73-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2651.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Karthikeya Theatre, Pettah, Trivandrum-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1973.

[No. S. 35019(162)/73-PF. II(ii)]

**का०आ० 2652.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुंब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मंबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1971 से मैसेस लिम्प्रा इलेक्ट्रोकॉल मोर्टर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309 अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-18 जिम्मेदारी-7 नामक स्थापन को एतद्वारा उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[म० ए० 35019(162)/73-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2652.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of November, 1973, the establishment known as Messrs. Karthikeya Theatre, Pettah, Trivandrum-7 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(162)/73-PF. II(ii)]

**का०आ० 2653.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस इलेक्ट्रिकल मीटर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309 अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-18 जिम्मेदारी-7 नामक स्थापन में मंबद्ध नियांगक और कर्मचारियों की बहुसंख्या उक्त स्थापन के उपर्युक्त प्रयोग करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुंब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के अक्टूबर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० ए० 35019(145)/71-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2653.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Libra Electrical Meters (Private) Limited, 309, Avanashi Road, Coimbatore-18 including their factory at Ganapathy Post, Coimbatore-6 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1971.

[No. S. 35019(145)/71-PI. II(i)]

**का०आ० 2654.**—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुंब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मंबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1971 से मैसेस लिम्प्रा इलेक्ट्रोकॉल मोर्टर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 309 अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-18 जिम्मेदारी-7 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[म० ए० 35019(145)/71-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2654.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1971, the establishment known as Messrs. Libra Electrical Meters (Private) Limited, 309, Avanashi Road, Coimbatore-18, including their factory at Ganapathy Post Coimbatore-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(145)/71-PF. II(ii)]

**का०आ० 2655.**—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेस इलेक्ट्रिकल मीटर्स लिमिटेड, वाई-76, हावड़ा इलेक्ट्रिकल एस्टेट, बालितिकुरी, हावड़ा जिम्मे 3, एस्प्लेनेड हाईस्ट (ऊर्गी मंजिल) कलकत्ता-1 स्थित हावड़ा मुख्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बाय पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुंब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकलौते दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० ए० 35017(28)/74-पी०एफ० 2(i)]

**S.O. 2655.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Associated Indam Mechanical Private Limited, Y-76 Howrah Industrial Estate, Balitkuri, Howrah, including its Head Office at 3, Esplanade East (Top Floor) Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35017(28)/74-PF. II(i)]

**का०आ० 2656.**—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुंब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार हाँ विषय में आवश्यक जाच कर लेने के पश्चात् मैसेस इलेक्ट्रिकल प्राइवेट लिमिटेड, वाई-76, हावड़ा इलेक्ट्रिकल एस्टेट, बालितिकुरी, हावड़ा जिम्मे 3, एस्प्लेनेड हाईस्ट (ऊर्गी मंजिल) कलकत्ता-1 स्थित हावड़ा मुख्यालय भी सम्मिलित है नामक स्थापन को 31 दिसम्बर, 1972 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[म० ए० 35017(28)/74-पी०एफ० 2(ii)]

**S.O. 2656.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtyfirst day of December, 1972 the establishment known as Messrs Associated Indam Mechanical Private Limited, Y-76, Howrah Industrial Estate, Balitikuri, Howrah including its Head office at 3, Esplanade East (Top Floor), Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(28)/74-PF. II (ii)]

का० आ० 2657.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स लक्ष्मी पुल्वराइजिंग मिल, बोडवलर, जिला नेल्लोर (आंध्र प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्य इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैशान निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयाग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019(29)/74-पी० एफ० 2]

**S.O. 2657.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Laxmi Pulverising Mills, Kodavalur, District Nellore (Andhra Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1974.

[No. S-35019(29)/74-PF. II]

का० आ० 2658.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स एस्ट एण्ड इंजीनियर्स, पास्ट ग्राफिस म्यूडिकल, जिला पेराम्बावर, केरल नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्य इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैशान निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के प्रगम्य के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019(130)/73-पी० एफ० 2]

**S.O. 2658.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs XL Engineers, Post Office Mudical, District Perambavoor, Kerala have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1973.

[No. S-35019(130)/73-P.F. II]

का० आ० 2659.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स एस्ट इंजीनियर्स कम्पनी (कलकत्ता) नामी, 5 और 6, फैन्सी लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमत्य इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैशान निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के मार्च के द्वितीय दिन का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35017(32)/74-पी० एफ० 2 (1)]

**S.O. 2659.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Standard Construction (Calcutta) Company, 5 and 6 Fancy Lane, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1973.

[No. S-35017(12)/74-PF. II(i)]

का० आ० 2660.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैशान निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम पन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार इस शिष्य में शावायक जात्य कर नेने के पान्नान् मैमर्स स्टेंडर्ड कंस्ट्रक्शन (कलकत्ता) कम्पनी, 5 और 6, फैन्सी लेन, कलकत्ता-1 नामक स्थापन को 31 मार्च, 1973 से उन परन्तुक के प्रयाजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[म० एम० 35017(32)/74-पी० एफ० 2 (ii)]

**S.O. 2660.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of March, 1973, the establishment known as Messrs Standard Construction (Calcutta) Company, 5 and 6, Fancy Lane, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35017(32)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2661.—कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पैशान निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार इस शिष्य में शावायक जात्य कर नेने के पान्नान् मैमर्स स्टेंडर्ड कंस्ट्रक्शन को आगरेटिन कॉर्पोरेशन हॉटेल्स मासाइटी, गिमिटेड, भ० एम० आर० एफ० डी० (पी०) 2, डाकघर, कैनियागार, जिला कनासौर नामक स्थापन को 1 जिन्नवर, 1973 से उन परन्तुक के प्रयाजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[म० एम० 35019(161)/73-प० नि० 2 (ii)]

**S.O. 2661.**—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1973 the establishment known as the Kalliasery Carpentry Workers' Co-operative Cottage Industrial Society Limited, No. S IND(C) 2, Post Office Kalliasery, District Cannanore for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(161)/73-PF. II(ii)]

का० आ० 2662.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं कैलियासरी कारपेटरी वर्कर्स कोआपरेटिव कार्टेज इन्डस्ट्रियल सोसाइटी, लिमिटेड, स० एम० आई० एन० डी० (सी) 2, डाकधर कैलियासरी, जिला कनानीर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंस्था इस बात पर गहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के विमवर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35019(161)/73-प० नि० 2 (i)]

**S.O. 2662.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Kalliasery Carpentry Workers' Co-operative Cottage Industrial Society Limited No. S. IND(C) 2, Post Office Kalliasery, District Cannanore have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applied the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1973.

[No. S-35019(161)/73-PF. II(i)]

का० आ० 2663.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं ड० रोहिणी एन० मर्चेण्ट, ड० मर्चेण्ट्स हॉस्पिटल, 5-ए सियोन (बैंस्ट) मुम्बई, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अहुसंस्था इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 के विमवर के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एम० 35018(49)/74-प० एफ० 2]  
राम प्रशाद नरला, अवार सचिव

**S.O. 2663.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dr. Rohinee N. Merchant, Dr. Merchant's Hospital 5A, Sion (West) Bombay-22 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1973.

[No. S-35018(49)/74-PF. II]

R. P. NARULA, Under Secy.

New Delhi, the 21st September, 1974

**S.O. 2664.**—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pure Joyramdih Colliery of Messrs Joyramdih Colliery Company, Post Office Nudkhurkee, District Dhanbad, and their workmen which was received by the Central Government on the 18th September, 1974.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(j)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947  
Reference No. 19 of 1971

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Pure Joyramdih Colliery of Messrs Joyramdih Colliery Company, Post Office Nudkhurkee, District Dhanbad.

#### AND

Their workmen.

#### PRESENT:

Mr. Justice D. D. Seth,  
Presiding Officer.

#### APPEARANCE:

For the Old Management & Bharat Coking Coal Limited—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen—Shri Lalit Burman.

State : Bihar.

Industry : Coal.

Dhanbad, the 10th September, 1974

#### AWARD

The present reference arises out of Order No. L-2012/91/71-LR-II dated New Delhi, the 6th July, 1971 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows:—

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Pure Joyramdih Colliery of Messrs Pure Joyramdih Colliery Company, Post Office Nudkhurkee, District Dhanbad, in stopping Shri Sambhu Nath Mishra, Mining Sardar from work with effect from the 23rd October, 1970, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?

The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement dated 10th September, 1974 has been filed today in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the Memorandum of Settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

Let a copy of this award be sent to the Central Government in relation under section 19 of the Industrial Disputes Act, 1947.

D D SFTH Presiding Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO 1 DHANBAD

In Ref No 19 of 1971

Employer in relation to Pure Joyramdh Colliery

AND

Their workmen

Petition of Compromise Settlement

The humble petitioners on behalf of the parties above named most respectfully sheweth —

(1) That the parties have amicably settled the above dispute on the terms stated below —

TERMS OF SETTLEMENT

(2) (a) It is agreed that Shri S N Mishra, Mining Sirdar the workman concerned in the dispute, shall be paid Rs 1500/- (Rupees one thousand and five hundred) in full satisfaction of all his claims against the management on account of the above dispute within 30 days of the date of settlement from the office of the Sub Area Manager Phulariland Sub Area

(b) It is agreed that the workman concerned shall have no other claim whatsoever against the management on account of the above dispute

(c) It is agreed that the management shall pay Rs 100/- (Rupees one hundred) to the representative of the workman or the date of settlement, as cost of proceedings

(d) It is agreed that the above terms of settlement fully and finally resolves the above dispute between the parties

That the petitioners pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the above terms of settlement as reasonable, and pass award in terms thereof

And for this the humble petitioners shall ever pray

LALIT BURMAN

For Workman

Y S MURTY

For Employer

WORKMAN

Shambhu Nath Misra

Dated the 10th September, 1974

[No L-2012/91/71-LRI]

P R NAYAR, Dy Secy

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1974

का आ 2665—यह केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकान्वय में यह आवश्यक है कि तापा उद्योग और जौ की ओर्डिनेशन विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की पहली अनुसूची में निर्दिष्ट है उक्त अधिनियम के प्रयोग के लिए इस उत्तरांग रोपांगी द्वारा घोषित होता जाना है।

अत अब ऑर्डिनेशन विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उप खण्ड (६) द्वारा प्रत्यक्ष शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार न्यायालय विवाद अधिनियम के प्रयोग के लिए तत्काल प्रभाव रोपांगी द्वारा ऑर्डिनेशन के लिए एक लोक उपयोगी रोपांगी घोषित करती है।

[संकाय 11025/8/74 प्रस आर 1]

इस एस सहस्रामन अवधि सर्विय

New Delhi, the 28th September, 1974

S.O. 2665.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the copper industry which is specified in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months

[No F. S-11025/8/74-LR I]

S S SAHASRANAMAN, Under Secy.

New Delhi the 28th September, 1974

S.O. 2666.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Bombay, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Lalji Brothers Manufacturers and Suppliers of Stone Metals, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th September, 1974

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL BOMBAY

Reference No CGIT-7 of 1973

PARTIES

Employers in relation to the Management of Messrs, Lalji Brothers, Manufacturers and Suppliers of Stone Metals, Bombay

AND

their workmen.

PRESENT

Shri B Ramlal Kishen, ILM, Bar-at-Law, Presiding Officer.

**INDUSTRY.—Stone quarrying.**

**STATE.—Maharashtra.**

Bombay, the 31st August, 1974

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation, Department of Labour and Employment in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, by order No. L. 29011/47/71-LRIV dated 25-9-1973 have referred to this Tribunal for adjudication an industrial dispute existing between the employees in relation to the management of Messrs Lalji Brothers, Manufacturers and Suppliers of Stone Metals, Bombay and their workmen in respect of the subject matter contained in the following schedule:—

#### SCHEDULE

"Whether the following demands of the workmen of Messrs. Lalji Brothers, Manufacturers and Suppliers of Stone metal, Bombay, are justified :

- (1) Revision of wages;
- (2) Dearness Allowance;
- (3) Uniforms;
- (4) Washing Allowance.

If so, to what relief are they entitled?"

2. After the receipt of the order of reference notices dt. 22-10-1973 by registered post acknowledgment due were issued to the Central Secretary, Khan Kamgan Union, and the Partner of Messrs. Lalji Brothers for filing statement of claim and written statement in reply and the reference was fixed for hearing on 22-11-1973. Although the notices were duly acknowledged neither party filed any statement nor appeared on the date of hearing. Further notices by registered post were issued on 28th December 1973, 24th January 1974, 26th February 1974 and 5th June 1974. All these notices were duly acknowledged by the parties but no appearance was made on behalf of either party nor was any written application filed for grant of time. Finally on 27th July 1974 notices by registered post acknowledgement due was issued to both parties intimating that if no appearance was made by either party on the 19th August 1974 the matter would be heard and decided ex-parte. This notice was also duly received by both the parties but neither of them was present on the 19th August 1974 nor any written request for adjournment was received. It is futile therefore to send any more notices as it appears from the conduct of the parties that they are not interested in prosecuting the reference.

The reference is therefore disposed of for non-prosecution and I make my award accordingly.

No order as to costs.

B. RAMLAI KISHEN, Presiding Officer,

[No. L-29011/47/71-LR IV]

G. C. SAKSENA, Under Secy.

